चैत्र माह, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 84, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | सोमवार 18 अप्रैल 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

अंसार था दंगा भड़काने का मुख्य आरोपित तो असल था गोली चलाने वाला

जहांगीरपुरी हिंसा: अब तक 14 आरोपित गिरफ्तार

शोभा यात्रा पर फायरिंग करने वाला असलम गिरफ्तार | असलम पर 2020 में भी दर्ज हुआ था केस | पुलिस के मुताबिक, सबसे पहले अंसार से हुई थी बहस | सी-ब्लॉक मस्जिद से शुरु हुआ था बवाल

नई दिल्ली: शनिवार शाम को दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में हनुमान जंयती की शोभा यात्रा पर एक विशेष समुदाय के व्यक्तियों, महिलाओं और बच्चों ने अपने अपने घरों की छतों और सड़क पर गुट बनाकर अचानक से पत्थराव,गोली व धारदार हथियारों से हमला करके दर्जनों लोगों व पुलिस वालों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना में कुछ दुकानों को भी लूट लिया गया। उपद्रवी अपनी बंगाली भाषा में एक दूसरे को निर्देश देकर उपद्रव करते नजर आ रहे थे। करीब एक घंटे तक उपद्रवियों ने शोभा यात्रा में शामिल श्रद्वालुओं पर हमला किया था। घटना के वीडियो में श्रद्धालु खुद को बचाने की कोशिश करते नजर आए थे, लेकिन जब उनको लगा की वो नहीं बच पाएंगे। उसके बाद उन्होंने उपद्रवियों द्वारा फैंके पत्थर ही उनकी तरफ फैंकने शुरू कर दिये। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में इंस्पेक्टर इंवेस्टिगेशन राजीव रंजन के बयान पर दस बजकर 40 मिनट पर एक एफआईआर दर्ज की गई है। जिसमें आईपीसी की धारा 147/148/149/186/353/322/307/323/427/436/27 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ये लोग उपद्रवियों का हुए शिकार

इंस्पेक्टर राजीव रंजन, सब इंस्पेक्टर मेघा लाल, एएसआई ब्रिज भूषण,एएसआई अरुण कुमार, हेड कांस्टेबल प्रीतम सिंह, हेड कांस्टेबल दिनेश, कांस्टेबल दीपक कुमार, कांस्टेबल सुमन कुमार और एक नागरिक उमा शंकर। इन सभी लोगों के हाथ, पैर, चेहरे, नाक, पेट व पीठ पर चोटें लगी थी। इन सभी का उपचार बाबू जगजीवन राम अस्पताल में करवाया गया था। पुलिस के आला अधिकारियों ने सभी से मुलाकात की और उनको उनकी डयूटी पर जान पर खेलकर शांति बनाने की कोशिश की सरहाना की। पुलिस ने सभी से दंगे के वक्त की जानकारी ली। उनके बयानों को भी नोट करवाया गया था।

घटना की कहानी इंस्पेक्टर इंवेस्टिगेशन की जुबानी

इंस्पेक्टर इंवेस्टिगेशन राजीव रंजन ने एफआईआर में दिये बयान में बताया कि मैं अपनी पुलिस टीम के साथ हनुमान शोभा यात्रा में तैनात था। हर स्थिति पर नजर बनाए हुए था। शोभा यात्रा पूरी तरह से शांतिपूर्वक चल रही थी। शाम सवा चार बजे शोभा यात्रा ई ब्लॉक जहांगीरपुरी से शुरू हुई थी व बाबू जगजीवन अस्पताल रोड के ब्लॉक,बीसी मार्किट,कौशल चौक, जी ब्लॉक,मंगल बाजार रोड महेन्द्रा पार्क,एक वन मोटर्स

मंगल बाजार रोड महेन्द्रा पार्क पर समाप्त होनी थी। शोभा यात्रा पूरी तरह से शांतिपूर्वक तरीके से चल रही थी। लेकिन जब शोभा यात्रा शाम करीब छह बजे पर सी ब्लॉक जामा मस्जिद के पास पहुंची। एक युवक अंसार अपने चार पांच साथियों के साथ आया और शोभा यात्रा में शामिल लोगों से बहसबाजी करने लगा। बहसबाजी ज्यादा होने पर दोनों तरफ से पत्थराव शुरू हो गया,जिसके कारण शोभा यात्रा में भगदड़ मच गई। उन्होंने अपनी टीम के साथ दोनों पक्षों को काफी मशक्कत के बाद समझाकर अलग-अलग करके शांति बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन कुछ ही देर बाद अचानक से दोनों पक्षों में दोबारा से बहसबाजी और पत्थराव शुरू हो गया था। हालात बिगड़ते देखकर उन्होंने कंट्रोल रूम में मामले की जानकारी देकर पुलिस बल को तुरंत बुलाया। आला अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर शांति बनाए रखने के लिये कई बार लोगों से अपील की थी। लेकिन एक पक्ष द्वारा कहने के बावजूद पत्थराव किया जा रहा था। बेकाबू हो चुके हालत पर काबू करने के लिये 40 से 50 टीयर शैलस छोड़े गए।

लोगों को तितर बितर किया गया। इस बीच पत्थराव कर रहे एक पक्ष की तरफ से पत्थराव के बीच गोली चलने लगी। एक गोली सब इंस्पेक्टर मेघा लाल के बायें हाथ में लगी। 6-7 पुलिसकमियों और एक युवक को भी काफी चोट लगी। उपद्रवी भीड़ ने इस बीच एक स्कूटी को आग के हवाले कर दिया। चार से पांच खड़ी गाड़ियों को भी क्षतिग्रस्त किया गया। जो इस कदर शोभा यात्रा पर कुछ असमाजिक तत्वों के द्वारा पथराव कर के गन फायरिंग करके सांप्रदायिक दंगे किये गए।

जहांगीरपुरी हिंसा: थाने के बाहर महिलाओं ने किया हंगामा

नई दिल्ली: उत्तर पश्चिमी जिले के जहांगीरपुरी थाने के बाहर रविवार शाम को खूब हंगामा हुआ। दरअसल मुस्लिम समुदाय की कुछ महिलाएं थाने के बाहर पहुंच गई। इनका आरोप था कि पुलिस इनके परिजनों को जबरदस्ती उठाकर थाने ले आई है। वहीं दूसरी ओर कुछ हिन्दू संगठन के युवक भी वहां पहुंच गए। आमने-सामने खड़े होकर दोनों ओर से नारेबाजी होने लगी। हालात यह हुए कि थाने के गेट पर अंदर से ताला लगा दिया गया। बाद में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझा-बुझाकर वहां से हटाया। महिलाओं को आश्वासन दिया गया कि किसी भी बेकसूर को नहीं पकड़ा जाएगा। इसके बाद महिलाओं को वापस भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार रविवार शाम करीब 4.00 बजे अचानक करीब 50 महिलाएं जहांगीरपुरी थाने के बाहर इकट्ठा हो गई। वहां पहले से हिंदू संगठनों के लोग इकट्ठा थे। दरअसल थाने में पहले उत्तर-पश्चिम दिल्ली से भाजपा सांसद हसंराज हंस पहुंचे थे। इसके बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता व अन्य लोगों को आना था।

महिलाओं को देखते ही इन लोगों ने धार्मिक नारेबाजी शुरू कर दी। आमने-सामने जाकर दोनों ओर से धार्मिक नारेबाजी होने लगी। करीब पंद्रह मिनट हंगामे के बाद थाने से वरिष्ठ पुलिस अधिकारी निकले। उन्होंने दोनों पक्षों से शांति बनाने की अपील की। बाद में दोनों ओर के लोगों को वापस अपने-अपने घर भेज दिया।

जंतर मंतर पर जमा हुए यूक्रेन से लौटे मेडिकल छात्रों के पैरेंट्स

नई दिल्ली: यूक्रेन से लौटे एमबीबीएस के छात्रों की अधूरी पढ़ाई को आगे जारी कराने को लेकर दबाव बनाने की कवायद तेज हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन से लौटे मेडिकल छात्रों के माता पिता रविवार को दिल्ली के जंतर मंतर पर जमा हुए और उन्होंने अपने बच्चों को मेडिकल कालेजों में समायोजित कराने के लिए सरकार के हस्तक्षेप की मांग की। हिमाचल प्रदेश के डा. राजेश कुमार चंदेल ने कहा कि हम विरोध नहीं कर रहे हैं। हम सरकार से अपने बच्चों को देश के मेडिकल कालेजों में समायोजित करने का अनुरोध कर रहे हैं। डा. राजेश कुमार खार्किव विश्वविद्यालय के एमबीबीएस के पांचवें वर्ष के छात्र विवेक चंदेल के पिता हैं। सभी माता पिता सरकार से गुजारिश करने के लिए दिल्ली आए हैं कि उनके बच्चों को भारतीय मेडिकल कालेजों में समायोजित किया जाए। डा. राजेश कुमार चंदेल ने कहा कि उन्होंने अपने मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और अन्य नेताओं से मुलाकात की है। हमने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी उनके आवास पर मुलाकात की है। भाजपा अध्यक्ष ने हमें भरोसा दिया है कि जल्द ही इस समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। हम यहां बताने के लिए आए हैं कि यूक्रेन संकट के चलते कितने छात्र प्रभावित हुए हैं।

कोरोना से मौत के आंकड़ों पर सियासत

नई दिल्ली: डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत वैश्विक कोविड की मौत को सार्वजनिक करने के उनके प्रयासों में बाधा डाल रहा है। इसके बाद कांग्रेस और टीएमसी के नेताओं ने सरकार पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और टीएमसी की नेता महुआ मोइत्रा ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा है कि सरकार की 'लापरवाही' के कारण कोरोना वायरस महामारी के दौरान 40 लाख भारतीयों की मौत हुई। वहीं कोरोना से मौतों के आंकड़ों को लेकर महुआ मोइत्रा ने कहा कि आंकड़ों का सामना करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे बचने के लिए 56 इंच का मुखौटा नहीं लगा सकते। गौरतलब है कि एक अंग्रेजी अखबार में डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के बाद सरकार ने उसका खंडन किया था। भारत सरकार ने शनिवार को कहा कि इस तरह के गणितीय मॉडल का इस्तेमाल इतने बड़े भौगोलिक आकार और जनसंख्या वाले देश के लिए मृत्यु के आंकड़ों का अनुमान लगाने में नहीं किया जा सकता।

पाक के हमले पर तालिबान ने बुरे नतीजे भुगतने की दी धमकी

काबुल: पाकिस्तान के हमले में 41 अफगानों की मौत से तालिबान ने बुरे नतीजे भुगतने की धमकी दी है। पाकिस्तान ने दावा किया कि खैबर पख्तूनख्वा में हो रहे आतंकवादी हमलों और अपने जवानों की मौत का बदला लेने के लिए यह कार्रवाई की जा रही है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान, अफगानिस्तान की धरती पर पाकिस्तान की ओर से हुई बमबारी और हमले की कड़े शब्दों में निंदा करता है। इस हमले के बाद से अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच दुश्मनी बढ़ेगी। हम हमलों को रोकने के लिए सभी विकल्पों का इस्तेमाल कर रहे हैं और अपनी संप्रभुता का सम्मान करने की अपील करते हैं। ट्विटर पर इस हमले की निंदा करते हुए जबीउल्लाह ने कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया। तालिबानी प्रवक्ता ने ट्वीट में लिखा, 'इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान खोस्त और कुनार में शरणार्थियों पर पाकिस्तान के हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करता है। अफगानिस्तान सरकार पाकिस्तानी पक्ष से आह्वान करती है कि ऐसे मामलों में अफगानों के संयम की परीक्षा न ले और ऐसी गलती दोबारा न करे, नहीं तो इसके बुरे नतीजे भुगतने होंगे। दोनों देशों के बीच समस्याओं को राजनीतिक तरीकों से सुलझाना चाहिए।

बीएसएफ: 9500 से अधिक नए कर्मचारी हुए शामिल

नई दिल्ली: सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने इस के शुरूआती साढ़े तीन महीनों में 9500 से अधिक कर्मचारियों की भर्ती की है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ देश की सीमा के लिए बीएसएफ अग्रिम मोर्चे का बल है और अपनी ताकत को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। नए भर्ती होने वाले कर्मचारियों में अधिकतक कांस्टेबल रैंक के हैं। इन्हें धीरे-धीरे पाकिस्तान व बांग्लादेश के साथ सीमा पर स्थित चौकियों और आंतरिक सुरक्षा कर्तव्यों के लिए तैनात किया जा रहा है जिसमें वामपंथी चरमपंथियों के खिलाफ सशस्त्र लड़ाई शामिल है। आंकड़ों के अनुसार एक जनवरी से 13 अप्रैल तक बीएसएफ में कुल 9550 नए कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इनमें शामिल लगभग 1700 कर्मचारी महिलाएं हैं।

20-25 वर्ष आयु वर्ग में आने वाले इन सभी कर्मचारियों की भर्ती पिछले साल के मध्य में की गई थी। इसके बाग उनमें 44 सप्ताह की बेसिक ट्रेनिंग के लिए भेजा गया था।

यूक्रेन के मारियुपोल पर रूस ने किया कब्जा

कीव/मास्को: यूक्रेन पर हमले के 53वें दिन रूस शनिवार को मारियुपोल शहर पर कब्जा करने के साथ दूसरे बड़े शहर खार्कीव सहित आठ शहरों में बमों, गोलों और मिसाइलों से लगातार हमले कर रहा है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन के सैनिकों को रविवार को मास्को के समयानुसार सुबह 6 बजे तक का समय समर्पण करने के लिए दिया है। रूस ने कहा है कि समर्पण करने वाले यूक्रेनी सैनिकों को माफ कर दिया जाएगा। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के अनुसार रूसी सेना मारियुपोल में बर्बरता कर रही है। जेलेंस्की ने कहा है कि मारियुपोल के भविष्य का फैसला या तो युद्ध के जरिए होगा या फिर कूटनीति के जरिए होगा। उन्होंने नाटो देशों से आह्वान किया कि वे सभी जरूरी भारी हथियार और विमान तत्काल दें ताकि हम मारियुपोल की नाकेबंदी करने वाले रूसी सैनिकों पर कार्रवाई करके उन पर दबाव बना सकें। इस बीच रूस ने कहा है कि उसके सैनिकों ने बंदरगाह शहर मारियुपोल के शहरी इलाके को यूक्रेनी सैनिकों से अपने कब्जे में कर लिया है। रूस के इस दावे की अभी पुष्टि नहीं हो सकी है। अगर रूस का यह दावा सही है तो मारियुपोल यूक्रेन का पहला बड़ा शहर होगा जिस पर 24 फरवरी से शुरू हुए युद्ध में रूसी सेना ने कब्जा किया है।

रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रमुख प्रवक्ता इगोर कोनाशेंकोव ने कहा कि मारियुपोल के सभी शहरी इलाकों को अब खाली करा लिया गया है। बचे हुए यूक्रेनी सैनिकों को अजोवस्तल प्लांट के इलाके में घेर लिया गया है। इगोर ने कहा कि अब उनके पास अब केवल बचने का एक ही विकल्प है और वह है कि वे खुद से अपने हथियारों के साथ आत्मसमर्पण कर दें।

उत्तराखंड कांग्रेस को मिला नया सेनापति

देहरादून: कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने रविवार को कांग्रेस भवन में पदभार ग्रहण किया। इससे पूर्व पार्टी के दिग्गज नेताओं ने करन माहरा का भव्य स्वागत किया। फूल माला पहनाकर पार्टी कार्यकर्ताओं ने भी नए प्रदेश अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत किया। करन माहरा के रूप में उत्तराखंड कांग्रेस को अपना नया सेनापति मिल गया है। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ने विधिवत रविवार को पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव, यशपाल आर्य, हरीश रावत सहित पार्टी तमाम दिग्गज नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पहले ही बैठक आयोजित की थी। जिसमें पार्टी के विधायकों, पूर्व विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों, जिला व शहर कांग्रेस अध्यक्षों से दूरभाष पर वार्ता कर उनके क्षेत्र से कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले कार्यकताओं की जानकारी ली गई। बैठक में प्रदेशभर से आने वाले लोगों की व्यवस्था एवं कार्यक्रम की तैयारी पर विचार-विमर्श किया गया था। जिससे नए प्रदेश अध्यक्ष का पदभार ग्रहण कार्यक्रम भव्य बनाया जा सके। इस मौके पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, सहप्रभारी राजेश धमार्णी, राष्ट्रीय सचिव काजी निजामुद्दीन, उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी, आदि विशेष तौर पर मौजूद रहे। पदभार ग्रहण करने से पहले शनिवार को नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से उनके घर पहुंचकर मुलाकात की। उन्होंने भावी रणनीति के साथ आगामी कार्यक्रमों के बारे में उनसे राय मशवरा किया। माहरा नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल आदि के घर जाकर व्यक्तिगत रूप से उन्हें मिले थे।

पंजाब कांग्रेस में वर्चस्व की जंग

चन्नी के बाद वड़िंग के लिए चुनौती बने सिद्धू, प्रधानगी से हटाने के बाद भी दिखा रहे ताकत

चंडीगढ़: चुनावी हार के बावजूद पंजाब कांग्रेस में वर्चस्व की जंग नहीं थम रही। इसकी बड़ी वजह नवजोत सिद्धू हैं। वह पंजाब कांग्रेस प्रधान रहते अपनी ही पार्टी के सीएम चरणजीत चन्नी के लिए मुश्किल बने रहे। चुनाव के बाद सिद्धू न विधायक बन सके और न ही प्रधानगी बचा पाए। अब वह नए प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के लिए चुनौती बन रहे हैं। प्रधानगी से हटाए जाने के बाद भी सिद्धू ताकत दिखाने से पीछे नहीं हट रहे। जिसकी वजह से कांग्रेस चुनाव से पहले वाली कलह की स्थिति में आ गई है।

चुनावी हार के बाद सक्रिय हुए सिद्धू: सीएम चेहरा न बने तो सिद्धू नाराज होकर घर बैठ गए। हालांकि कांग्रेस चुनाव हार गई तो सोनिया गांधी ने उनका इस्तीफा ले लिया। इसके बावजूद वह प्रधानगी बचाने के लिए सक्रिय हो गए।

खबर संक्षेप

घरेलू बंटवारे को लेकर एक ही परिवार के सदस्य आपस में भीडे एक गंभीर

मऊआइमा। मऊआइमा कस्बा में एक ही परिवार के सदस्य आपस में ईट पत्थर लेकर आपस में भिड गए। इस मारा मारी में कई को चोटें आयी है। एक ही हालत गंभीर बनी हुई है ।

मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा कस्बा के मोहल्ला मौलाना निवासी जावेद पुत्र अंसार तथा अंसार पुत्र हाफिज निसार और शेखू एंव रानू पुत्रगण सलीम का घरेलू बंटवारे को लेकर काफी दिनों से विवाद चल रहा है। बताया जाता है कि शनिवार को देर शाम रास्ते के विवाद को लेकर आपस में कहा सुनी हो गई। जब तक लोग बीच बचाव करते दोनों ओर से ईट पत्थर चलने लगे। ईट सिर में लगाने से शेखू की हालत गंभीर बनी हुई है जबकि जावेद और रानू को मामूली चोटें आयी हुई है। पुलिस मौके पर पहुंच कर बेहोश खून से लहूलुहान शेखू को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस का कहना है कि अभी तक तहरीर नहीं मिली है मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

भाजपा जिला अध्यक्ष के घर को चोरों ने बनाया निशाना

अखंड भारत संदेश

10 लाख रुपए नगदी समेत लाखों के आभूषण उड़ाया

चोरी की घटना के बाद घर पर लोगों की लगी भीड़ व वारदात के बाद तफ्तीश में जुटी पुलिस

करछना। क्षेत्र में इन दिनों बदमाशों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि आए दिन कहीं ना कहीं छोटी बड़ी चोरी की वारदात को को अंजाम दे रहे हैं। जिससे क्षेत्र के लोगों में दहशत बनी है। क्षेत्र के खाई गांव में शनिवार की रात भाजपा के जिला अध्यक्ष विभव नाथ भारतीय के घर पर चोरों ने धावा बोलते हुए दरवाजा की कुंडी तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। बता दें कि भाजपा जिला अध्यक्ष विभव नाथ भारतीय सात भाई है। उनका छोटा भाई अमरनाथ भारतीय नैनी क्षेत्र के चाका में मकान बनवा कर परिवार के साथ रहता है। शनिवार को अमरनाथ भारतीय के यहां चाका में बरहो कार्यक्रम रखा गया था। जिस में शरीक होने के लिए छोटा भाई बलवंत नारायण भारतीय व बुजुर्ग पिता भागवत प्रसाद को छोड़कर घर के सभी सदस्य कार्यक्रम में शरीक होने के लिए चले आए थे। देर रात होने पर दोनों लोग खाना-पीना करने के बाद सो गए। उसी बीच पहले से घात लगाए बैठे चोरों ने दरवाजे की कुंडी तोड़कर घर में घुस गए और दो सन्दूक को अपने साथ उठा ले गए। जहां घर से सौ मीटर की दूरी पर ले जाकर उसमें रखा गया दस लाख रुपए नकदी समेत लगभग बारह लाख रुपए तक के सोने चांदी के आभूषण को चोरों ने उड़ा ले गए। सुबह 4 बजे के वक्त उनका परिवार कार्यक्रम से कार पर सवार होकर घर लौट रहा था। उसी बीच घर के पास पहुंचे थे कि मार्ग के बगल बासख के साथ सामान बिखरा हुआ दिखाई दिया। सभी ने कार से नीचे उतर कर देखा तो उनके घर का ही बासख निकला। जिसमें रखा गया नकदी समेत आभूषण गायब था। जिसके बाद सभी घर पर पहुंच कर देखा तो दरवाजे की कुंडी टूटी पड़ी थी और घर के अंदर सामान बिखरा था। घटना की जानकारी भुक्तभोगी ने फोन के माध्यम से पुलिस को दी। सूचना होने पर डॉग स्क्वायड की टीम, एसपी क्राइम सतीश चंद्रा सीओ करछना राजेश कुमार यादव व करछना थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। और विभिन्न पहलुओं पर जांच पड़ताल करने में जुट गए। बताते हैं कि बीते शुक्रवार की रात घटवा गांव निवासी अरुण कुमार मिश्रा व उनके भाई अरविंद कुमार मिश्रा के यहां चोरों ने एक ही रात में निशाना बनाते हुए नकदी समेत लाखों के आभूषण चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

न्यूज झरोखा

ग्रामीणांचल में धूमधाम से मनाई गई हनुमान जयंती

शंकरगढ़। यमुनापार के शंकरगढ़ क्षेत्र में हनुमान जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई ।शनिवार को हनुमान जन्मोत्सव के दिन मंदिरों में सुबह से ही भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिरों में भक्तों द्वारा सुंदरकांड व हनुमान चालीसा पाठ के साथ प्रसाद का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम सुबह से शुरू होकर देर रात तक चलता रहा। शंकरगढ़ के रामभवन चौराहा, महिला अस्पताल प्रांगण और गुड़िया तालाब स्थित मंदिरों में हनुमान जयंती पूरे श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इसी तरह गोरखा स्थित हनुमान मंदिर में सुंदरकांड के साथ भंडारे का आयोजन किया गया,जहां सुदूर क्षेत्र के सैकड़ों लोग प्रसाद ग्रहण किए। आयोजक चतुर्भुज दास गुप्ता, राम चंद्र केसरवानी और रितेश केसरवानी ने बताया कि अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित मंदिर में भव्य सुंदरकांड पाठ के साथ प्रसाद का वितरण किया गया। इसीतरह लाइनपार, सिंधी टोला, शिवराजपुर, कपारी आदि ग्रामीण क्षेत्रों में भी हनुमान जन्मोत्सव की धूम रही और भक्तों ने पूरे श्रद्धा के साथ हनुमान जन्मोत्सव मनाया।

हनुमान जयंती पर श्री हनुमान धाम भेलखा में कार्यक्रम आयोजित

जंघई। हनुमान जंयती के अवसर पर प्राचीन हनुमान मंदिर भेलखा प्रांगण में सुंदर काण्ड का आयोजन शुभम पांडेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भक्तों द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ किया गया भजन कीर्तन कर पूजा अर्चना की गई एवं प्रसाद वितरण किया गया।इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतापपुर शैलेश यादव, शिवम पांडेय, मुन्ना पांडेय, गरुण पांडेय, अंकुर पांडेय, रत्नेश दुबे, गणेश दुबे, शिव प्रकाश तिवारी नीरज, बबलू पाल, सियाराम गुप्ता, पवन गौड़, अरुण दुबे, प्रेम शंकर गुप्ता पूर्व प्रधान, ललित दुबे, नीरज गौड़ सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बंदरों का उत्पाद, वन विभाग हुआ सक्रिय

सहसों। बंदरों की जनसंख्या अधिक होने के कारण इनका उत्पाद ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा बढ़ गया है। बंदरों के उत्पात से जहां एक और घर गृहस्थ वाले लोग परेशान हैं वहीं दूसरी ओर फल, सब्जी, खानपान के व्यवसाई इनसे बेहद त्रस्त हैं। कभी-कभी पैदल राहगीर एवं स्कूली छात्र इनके आक्रामकता के शिकार हो जाते हैं। घर में रखी हुई वस्तुओं सहित आदमियों को भी काटकर घायल कर रहे हैं। बंदरों की बढ़ती संख्या को देखते हुए वन विभाग ने इन्हें पकड़ने का अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत वन विभाग फूलपुर रेंज में सहसों, चिरौड़ा आदि स्थानों पर जहां बंदर अधिक दिखाई दे रहे हैं वहीं पर केज ट्रॉली लेकर उन्हें पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। वन्य जीव संरक्षक वी के टार्जन ने बताया कि यह अभियान चलता रहेगा। जिससे ग्रामीण स्तर पर बंदरों के उत्पात से लोगों को निजात मिल सके तथा स्वयं के साथ फसलों की सुरक्षा भी हो सके।

भाजपा जंघई मंडल उपाध्यक्ष ने किया रक्तदान

जंघई। भाजपा मंडल उपाध्यक्ष युवा मोर्चा जंघई एडवोकेट कुशलेश दुबे जो कि केवलापुर, नेदुला के निवासी हैं। फिनिक्स अस्पताल प्रयागराज में एडमिट रामनिरंजन को अपना रक्तदान करके उनका जीवन बचाने आ प्रयास किया।कुशलेश दुबे समय समय पर जरुरतमंदों को रक्तदान करते हुए क्षेत्र के सामाजिक, राजनीतिक, व्यक्तिगत कार्यों में प्रमुखता से हिस्सा लेकर यथोचित सहयोग करते हैं रहते हैं जिसके कारण क्षेत्रवासियों ने उनकी सराहना किया है।

मड़वा में अज्ञात कारणों से घर में लगी आग आठ बकरियों समेत 20 मुर्गियां की जलने मौत

करछना। थाना क्षेत्र के भुंडा पुलिस चौकी अंतर्गत मड़वा गांव के सोनकर बस्ती में रविवार दोपहर के वक्त दो घर में अचानक अज्ञात कारणों से आग लग जाने से घर के अंदर बंधी 8 बकरियां व 20 मुर्गी समेत गृहस्ती का सामान जलकर राख हो गया। आग लगने की जानकारी जैसे ही पुलिस को हुई मौके पर फायर ब्रिगेड टीम के साथ पहुंचकर आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। जानकारी के मुताबिक मड़वा निवासी दिनेश सोनकर पुत्र शीतला प्रसाद व महेश सोनकर दो सगे भाई हैं। आज दोपहर के वक्त दिनेश ने बकरियों को घर के अंदर बांधकर दूसरे घर में आराम कर रहे थे। उसी बीच अज्ञात कारणों से घर में लगी आग की लपटें आसपास के लोगों को देखें जाने पर हड़कंप मच गया। वही थोड़ी देर में आग की चिंगारी से घर के बगल बने महेश के छप्पर में भी आग लग गई। जब तक आसपास के लोग इकट्ठे होते व फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया जाता। तब तक आग इतना तीव्र धारण कर चुका था कि समूचे घर को अपने आगोश में लेकर जलाकर नष्ट कर दिया। जिसमें दिनेश सोनकर के दस हजार रुपए सात बकरी व 20 मुर्गी समेत गृहस्ती का सामान जल गया । जबकि भाई महेश का भी एक बकरी व अन्य सामान जल गया। घटना के बाद बकरी पालक परिवार में कोहराम मचा है। वही मौके पर पहुंचे हल्का लेखपाल ने लिखा पढ़ी कर मदद करने का आश्वासन दिया है।

घरेलू विवाद से नाराज विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

घूरपुर। इरादतगंज गांव में रविवार की भोर एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्मा हत्या कर ली ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।

बारा थाना क्षेत्र के असरवई गांव निवासी निर्मला देवी 28की शादी इरादतगंज गांव निवासी राम मुरारी के साथ पांच वर्ष पूर्व हुई थी । निर्मला को दो बच्चे भी हैं । बताया जा रहा है इधर दो दिन पूर्व से निर्मला और उसके ससुरालियों में विवाद चल रहा था । बताया यह भी गया कि निर्मला को समझाने के लिए उसके परिजन भी शनिवार के दिन आये थे । और मामला शांत भी हो गया था । इसी बीच निर्मला ने रविवार की भोर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली । घटना के समय मायके पक्ष बेटी के ससुराल में ही थे ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला का बारा विधायक ने फीता काटकर किया शुभारंभ

नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित स्वास्थ्य मेला में 56 मरीजों का हुआ उपचार

अखंड भारत संदेश

फीता काटकर स्वास्थ्य मेले का शुभारम्भ करते विधायक बारा

शंकरगढ़। नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नारीबारी में बारा विधायक डॉक्टर वाचस्पति ने मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला का शुभारंभ किया।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों गोरखपुर से 'मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला' का पुनः शुभारंभ कर दिया। रविवार को नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नारीबारी में बारा विधायक डॉक्टर वाचस्पति ने आरोग्य मेले का फीता काटकर शुभारंभ किया। मौकें पर उपस्थित डॉक्टर वाचस्पति ने कहा कि ₹मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला₹ का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बिना भेदभाव के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। निःशुल्क आरोग्य स्वास्थ्य मेला के लिए ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को मेले के बारे मे ग्रामीणों मे जागरूक लाना चाहिए। जिससे क्षेत्रीय जनता ज्यादा से ज्यादा मेले का लाभ ले सके।डा. राजेश सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य मेले में रविवार को 56 मरीजों का निःशुल्क उपचार कर दवा वितरण किया गया। मौके पर नारीबारी प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. राजेश सिंह, डॉ.अनूप सिंह, मीडिया प्रभारी दिलीप चतुर्वेदी, एएनएम गीता देवी, सीएचो प्रियंका, पूजा सिंह, ममता सिंह, किरन सिंह, राम सूरत सिंह, धर्मेंद्र कुमार, हेमराज, सुधाकर सिंह, गोकुल सिंह, ग्राम प्रधान प्रदीप कुमार मिश्र, राम प्रकाश सिंह, धीरेन्द्र मिश्र, लोकनाथ पांडेय आदि रहे।

यीशु दरबार चर्च में धूमधाम से मनाया गया पुनरूथान दिवस

मृत्यु पर विजय का दिवस है ईस्टर : बिशप डा. आर.बी. लाल

अखंड भारत संदेश

नैनी, प्रयागराज। यीशु दरबार चर्च में पुनत्थान दिवस के रूप में ईस्टर धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रातःकाल ईस्टर डान सर्विस का आयोजन किया गया जिसमें यीशु मसीह के क्रूस पर चढ़ने एवं तीसरे दिन कब्र में से जी उठने की घटना को जीवंत किया गया। तत्पश्चात यीशु दरबार चर्च में ईस्टर महासभा एवं मसीही भजन, नृत्य आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सोशल मीडिया यू-ट्यूब पर किया गया।

शुआट्स कुलपति एवं यीशु दरबार चर्च के बिशप मोस्ट रेव्ह. राजेन्द्र बी. लाल ने सभी को पुनरूत्थान दिवस की बधाई देते हुए कहा कि पुनरूत्थान दिवस यीशु मसीह के मुर्दों में से तीसरे दिन जी उठने का दिन है अर्थात ईस्टर, पूरी मानव जाति के लिए मृत्यु पर विजय का दिवस है। ये सुसमाचार सारी मानव जाति के लिये खुशखबरी है कि परमेश्वर ने अपने पुत्र यीशु मसीह को मनुष्य बनाकर पृथ्वी पर भेजा, यीशु ने सताने वालों के लिये प्रार्थना की, वे मुर्दों में से तीसरे दिन जी उठे ताकि मनुष्यों को पुनरूत्थान का मार्ग दिखा सकें। जो कोई यीशु मसीह का नाम लेगा वो निश्चित उद्धार पायेगा। उन्होंने लोगों से पाप से दूर रहने, लालच, व ईर्ष्या न करने का संदेश देते हुए कहा कि सच्चे और विश्वासी लोग स्वर्ग राज्य के अधिकारी होंगे। पूर्व में रेव्ह. जय प्रकाश व डा. वी एम प्रसाद ने मसीही भजन ह्यकहते हैं जगत के धर्मी, यीशु तो मेरा ही होगाह्न की प्रस्तुति दी। विश्वविद्यालय क्वायर ने ह्यबोलो बोलो मसीहा की जय जय जयह्न गाया। अनीता ने भजन ह्यकरती हूँ मैं वन्दनाह्न, ममता ने ह्यबनके ज्योति चमकू मैं यीशु तोरीह्न, याशमीन और डॉरकस मसीह ने ह्ययीशु मसीह है हमाराह्न की प्रस्तुति दी। सुचित्रा ने भजन ह्यमेरे यहोवा तुमसे करते हैं फरियाद हमह्न गाया। आशीष शर्मा ने मसीही भजन ह्ययीशु मसीह है सबका मुक्ति दिलाने आयाह्न की प्रस्तुति दी। बाबा हंसराज ने ह्ययीशु मेरो राजा तेरा नाम मुबारक होवे, मर्सी ने ह्ये सुबहा भी कितनी हसीन हो गई हैह्न, रेहाना ने ह्ययेरूशलम की नगरी तू है कितनी आलीशानह्न की प्रस्तुति दी। स्नेह आश्रय के बच्चों ने मसीही भजन पर मनमोहक नृत्य एवं गीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का समापन मसीही भजन ह्यधन्यवाद धन्यवाद धन्यवाद, सारी आशीषों के स्त्रोत धन्यवादह्न से हुई। इस अवसर पर यीशु दरबार चर्च की उपाध्यक्षा डा. सुधा लाल, प्रति कुलपति (प्रशासन) प्रो. एस.बी. लाल, प्रति कुलपति (शैक्षिक) प्रो. ए.के.ए. लॉरेन्स, कुलसचिव प्रो. रॉबिन एल. प्रसाद, निदेशक प्रशासन विनोद बी. लाल, निदेशक आईपीसी प्रो. जोनाथन ए. लाल, संयुक्त निदेशक (एचआरएम) इंजी. अभिलाषा ए. लाल, रेव्ह. डेविड फिलिप्स, रेव्ह. वी.के. सिंह सहित विश्वविद्यालय कर्मचारीगण एवं यीशु दरबार चर्च के सदस्य उपस्थित रहे।

घर से सब्जी लेने निकला किशोर लापता,परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल

अखंड भारत संदेश

सिरसा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र मे घर से सब्जी लेने निकला किशोर लापता हो गया. परिजनों ने काफी खोजबीन किया लेकिन सफलता नही मिली. पीड़ित ने मेजा कोतवाली मे गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर किशोर की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है। मिली जानकारी के अनुसार मेजा थाना क्षेत्र के रामनगर शिववंश राय का पूरा निवासी शिवकैलाश यादव का बेटा शिवांश यादव (13) घर से 8 अप्रैल को रामनगर बाजार सब्जी लेने के लिए निकला था जो वापस लौट कर नही आया । परिजनों ने संबंधित रिश्तेदारी व संभावित स्थानों पर काफी खोजबीन की परंतु सफलता नही मिली । वहीं पीड़ित परिजनों ने मेजा कोतवाली मे तहरीर देकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर किशोर की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है। वहीं एक सप्ताह बीत जाने के बाद किशोर का कहीं सुराग नहीं मिल सका, जिससे परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। गुमशुदा किशोर शिवांश के मामा आशीष यादव ने बताया कि जिस किसी को उसका पता चले कृपया 9454402844 (थाना प्रभारी मेजा), व घर के नम्बर 9621638368, 9651982033 पर जानकारी देने की कृपा करें.जानकारी देने वाले को उचित पुरस्कार देने की बात कही। वहीं किशोर के गुम हो जाने के बाद माता पिता व परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. इस घटना से क्षेत्र में तरह-तरह से चर्चा का विषय बना है।

पीडीए दो दर्जन अवैध निर्माण किए सील

अखंड भारत संदेश

झूंसी। क्षेत्र में प्रयागराज विकास प्राधिकरण की ओर से की जा रही कार्यवाही से भू माफियाओं में हड़कंप मचा है। रविवार को जोनल अजय कुमार के नेतृत्व में दो दर्जन अवैध निर्माण को सील किया गया। क्षेत्र में बड़े पैमाने पर चल रही अवैध प्लाटिंग की शिकायत के बाद पीडीए के उपाध्यक्ष अरविंद चौहान ने क्षेत्रीय सुपरवाइजर को निर्लंबित कर जोनल व अवर अभियंता को कारण बताओ नोटिस पकड़ाई तो पीडीए कर्मियों में हड़कंप मचा गया है। पीडीए के उपाध्यक्ष द्वारा की गई कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अभियान चलाकर अवैध निमार्णों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है इसी क्रम में शुक्रवार को क्षेत्र में 24 अवैध निमार्णों को सील किया गया।

बाग बगीचों में बेचे जा रहे आवासीय प्लाट

झूंसी। शासनादेश को ताक पर रखकर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध प्लाटिंग की जा रही है। भू माफिया बिजली, पानी, सड़क, पार्क का झूठा आश्वासन देकर महंगे महंगे दामों पर प्लाट बेच रहे है। पीडीए के अफसर सब कुछ जान कर भी अंजान बने हैं। बहादुरपुर के 33 गांव नगर निगम की सीमा में शामिल होने के बाद क्षेत्र में प्लाटिंग का दायरा और भी बढ़ गया है। भू माफिया बाग बगीचे खेत खलिहान में अवैध प्लाटिंग कर पेड़ो को काट कर धड़ल्ले से मंहगे दामो पर प्लाट बेच रहे हैं। कुछ भू माफियायो ने तो रिजर्व लैंड पर ही प्लाटिंग कर बेच चुके है। जिसका खामियाजा उन लोगों को झेलना पड़ रहा है जो सपनों का आशियाना बनाने के लिए बैंक से लोन, महाजनी कर्ज, जेवरात बेच कर या गिरवी रखकर सौ, दो सौ वर्ग गज प्लाट खरीद चुके है।

ब्लाक स्तरीय स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन आज

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को समय से तैयारियों को पूर्ण करने के दिए निर्देश

प्रयागराज। 18 अप्रैल से 23 अप्रैल के मध्य आयोजित होने वाले ब्लाक स्तरीय स्वास्थ्य मेले का शुभारम्भ 18 अप्रैल, 2022 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चाका में किया जायेगा। 19 अप्रैल को स्वास्थ्य मेले का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा, मऊआइमा, शंकरगढ़ एवं सोरांव में, 20 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कौंधियारा, बहरिया, कोरांव, कौड़िहार एवं भगवतपुर में, 21 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र माण्डा, सैदाबाद, रामनगर एवं होलागढ़, 22 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेजा, हण्डिया, कोटवा बनी, करछना एवं फूलपुर तथा 23 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र धनूपुर एवं प्रतापपुर में स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जायेगा। आयोजित होने वाले स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन मा0 जनप्रतिनिधिगणों के द्वारा किया जायेगा। मुख्य विकास अधिकारी श्री शिपू गिरि ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आयोजित होने वाले स्वास्थ्य मेले के सफल आयोजन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता नहीं होनी चाहिए, जिन विभागों को जो उत्तरदायित्व दिए गए है, सम्बंधित विभाग उनका अच्छी तरह से पालन करते हुए स्वास्थ्य मेले के आयोजन को सफल बनायें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मेले का उद्देश्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से सम्बंधित विभिन्न सेवायें जैसे मातृ शिशु कल्याण, टीकाकरण, परिवार नियोजन, संचारी एवं गैर संचारी रोगों से सम्बंधित सेवायें प्रदान करना एवं प्रचार-प्रसार, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत, जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत पात्र लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाना, डिजीटल स्वास्थ्य आई कार्ड बनाने की सुविधा प्रदान करना, रोगो की शीघ्र पहचान हेतु परीक्षण, औषधि एवं जांच की सुविधा के साथ आवश्यकतानुसार सम्बंधित विशेषज्ञ से टेली कंसलटेंसी प्रदान करना, सम्बंधित विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में लोगो को जागरूक करना है। आयोजित होने वाले स्वास्थ्य मेले में स्वास्थ्य विभाग के अलावा, फूड सेफ्टी विभाग, युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग, आयुष विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, ग्रामीण एवं शहरी विकास विभाग, दिव्यांग कल्याण विभाग सहित अन्य विभागों के कार्य एवं दायित्व निर्धारित किए गए है।

हनुमान जयंती पर वैदिक पूजा पाठ के साथ मेले का हुआ आयोजन

सहसों। क्षेत्र के ग्राम सभा उमरी के मजरा गांव ननका का पूरा में हनुमान मंदिर पर हनुमान जयंती के अवसर पर पुजारी एवं आचार्य द्वारा वैदिक पूजा पाठ, हवन, आरती के साथ क्षेत्रीय त्यौहार गनगौरा मेले का भी आयोजन किया गया। जिसमें पुजारी एवं भक्तों द्वारा हनुमान जी की फूल मालाओं से भव्य श्रृंगार के पश्चात आरती एवं पूजन कर लड्डू का भोग लगाया गया। सायंकाल वैदिक मंत्रोचार सहित सुंदरकांड तथा हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इस मौके पर भूमि विकास बैंक फूलपुर के अध्यक्ष वीरेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा कि हनुमान जी की पूजा सदैव कल्याणकारी है। नित्य हनुमान चालीसा के पाठ से व्यक्ति की सभी प्रकार की बाधाएं दूर होती हैं। इस अवसर पर आयोजित गनगौरे के मेले में आसपास के गांव के लोगों ने शामिल होकर देर रात तक भक्ति संगीत के कार्यक्रम के आयोजन में लोगों ने हनुमान जी की जय जयकार करते हुए उपस्थित रहे। इस अवसर पर ग्राम प्रधान शांति देवी ने हनुमान जयंती के अवसर पर पूजा पाठ के पश्चात उपस्थित मुख्य अतिथि सहित सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य राहुल भारतीय, संजय सिंह, अनिल सरोज, अमन सिंह राजपूत उर्फ बंटू , अंकित सरोज ,सुरेंद्र श्रीवास्तव, राजेंद्र यादव ,महंगू लाल पटेल, वीरेंद्र पटेल, राज नारायण विश्वकर्मा आदि ने मेला तथा हनुमान जयंती पर आयोजित भक्ति संगीत के कार्यक्रम में सहयोग किया।

अतिरिक्त हेज न मिलने पर पति ने पत्नी को फोन से तीन तलाक कहा मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। अतिरिक्त दहेज की मांग न पूरी होने पर ससुरालियों ने विवाहिता को मारे पीटे जब वह मयके चली गई तो पति पूना जाकर फोन से तीन तलाक कहा । पत्नी ने पति सहित तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम बुआपुर निवासनीय रहनुमा बानों की शादी 3 मई 2004 को इसी थाना क्षेत्र के ग्राम जाम्हा भौंका निवासी समीर उद्दीन पुत्र स्वर्गीय रजीउद्दीन के साथ हुई थी। रहनुमा बानों का आरोप है कि अतिरिक्त दहेज की मांग ससुरालियों द्वारा निरंतर किया जा रहा था। तथा थोडी थोडी बात पर प्रताड़ित किया जा रहा था। और उसे मार पीट कर मयके भगा दिया गया। रहनुमा बानों का आरोप है कि पति महाराष्ट्र के पूना जा कर उसको फोन पर तीन तलाक बोल दिया। रहनुमा बानों ने मऊआइमा थाने में पति समीर उद्दीन , ननद कफसाना बानों ,ननद रुबीना बानों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और तीन तलाक देने का मुकदमा दर्ज करा दिया है ।

शॉर्ट सर्किट से सैंकड़ों बोझ गेहूं जलकर खाक

मऊआइमा। मऊआइमा क्षेत्र में आग की घटना बढती जा रही है। मऊआइमा थाना क्षेत्र में मडाई के लिए रखा सैकड़ों बोझ गेहूं का बोझ जल कर खाक हो गया। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम मोहम्मदपुर सराय अली निवासी चंद्रशेखर गौतम पुत्र सतई गौतम का खेत में रखा मड़ाई के लिए सैकड़ों बोझ गेहूं का शॉर्ट सर्किट से जलकर राख हो गया। आनन-फानन में पीड़ित सहित गांव वालो की मदद से डायल 101 पर सूचना देने के बावजूद फोन नहीं लग सका। ग्रामीणों ने पानी पंपिंग सेट से आग पर काबू करने की कोशिश की गई लेकिन आग की तेज लपटें होने के कारण आग पर काबू नहीं किया जा सका।तब तक सैकड़ों बोझ गेहूं जलकर राख हो गया।

खबर संक्षेप

10 लाख से कम के कामों का भी ऑनलाइन टेंडर

प्रयागराज। नगर निगम 10 लाख से काम के कामों का भी ऑनलाइन टेंडर निकाल रहा है। कई पार्षद ऑफलाइन टेंडर निकालने की मांग कर रहे थे। 10 लाख से कम वाले टेंडरों में नाला सफाई का भी काम शामिल है। सूत्रों के अनुसार 10 लाख से कम के लगभघ काम होने हैं।तमाम दबाव के बावजूद नगर आयुक्त रवि रंजन ने टेंडर निकालने का आदेश दिया। इससे पहले ऑफलाइन टेंडर निकालने के लिए पार्षदों ने नगर आयुक्त कार्यालय के पास धरना देने के बाद ज्ञापन दिया था। नगर विकास मंत्री अरविंद शर्मा के निर्देश के बाद नगर निगम ने छोटे-बड़े कामों को समय से पूरा करने की कोशिश तेज कर दी है।

डीएलएड की सेमेस्टर परीक्षाएं 25 अप्रैल से

प्रयागराज। डीएलएड की सेमेस्टर परीक्षाएं 25 अप्रैल से शुरू होकर मई के दूसरे सप्ताह तक चलेंगी। सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी अनिल भूषण चतुर्वेदी ने परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर के बैक पेपर में तकरीबन 25 से 30 हजार प्रशिक्षु सम्मिलित होंगे। जबकि 2021 बैच के प्रथम सेमेस्टर के लिए तकरीबन सवा लाख प्रशिक्षु पंजीकृत हैं।

विधिक कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को भेजा गया जेल

अखंड भारत संदेश

मामला नवाबगंज हत्याकाण्ड

प्रयागराज। नवाबगंज में 4 लोगों की चापड़ से हत्या और एक के फांसी लगाने के मामले में राहुल तिवारी के ससुराल वालों पर हत्या का मुकदमा किया गया था। मृतक राहुल के बड़े भाई मुन्ना तिवारी की तहरीर पर राहुल के साले पिंटू, चंद्रशेखर व साले के दोस्त मैनेजर और आशु को नामजद किया गया था। आज पुलिस ने विधिक कार्यवाही करते हुए चारों नामजद आरोपियों को नैनी जेल भेज दिया।

4 की बेड पर व एक का शव फांसी पर लटकते मिला था

शहर से करीब 40 किमी दूर नवाबगंज थाना अंतर्गत खागलपुर गांव में 16 अप्रैल को पशु व्यापारी राहुल तिवारी का शव ऑगन की जाल में साड़ी पर लटकता पाया गया था। वहीं कमरे में उसकी पत्नी प्रीति, बेटी माही, पीहू व सबसे छोटी बेटी पाहू का शव बेड पर मिला था। प्रीति व तीनों लड़कियों की गर्दन काटकर हत्या की गई थी।खून से सना चापड़ घर के सामने प्याज के खेत में बरामद हुआ था। इस मामले में मृतक के बड़े भाई मुन्ना तिवारी ने ससुराल पक्ष के साले पिन्टू, चंद्रशेखर सहित मैनेजर व आशु के खिलाफ नामजद तहरीर दी थी।तहरीर में मुन्ना तिवारी ने आरोप लगाया था कि मकान और जायदाद के लिए उनके भाई राहुल व उनके परिवार की हत्या को अंजाम दिया गया है। वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट में राहुल की मौत की वजह फांसी आई थी।

बुजुर्ग ने बेटे बहू पर मारपीट का लिखाया मुकदमा

प्रयागराज। कर्नलगंज थाना क्षेत्र के चांदपुर सलोरी के रहने वाले 76 साल के बुजुर्ग नरेंद्र प्रसाद तिवारी अपने बड़े बेटे सुनील कुमार तिवारी से परेशान हैं। बुजुर्ग ने कर्नलगंज थाने में बेटे और बहू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। तहरीर में उन्होंने लिखा कि मैं अपने बड़े बेटे से आजिज आ चुका है। वह कई बार मुझे मारने की कोशिश कर चुका है। बुजुर्ग का कहना है कि बेटा मकान और गांव की जमीन बेचने के लिए धमकी दे रहा है। मारपीट कर रहा है कि 50 लाख रुपये दो वरना जान से मार देंगे। बुजुर्ग का आरोप है कि दो दिन पहले उसने जमकर मारपीट की और गला पकड़ दबाने लगा। पत्नी के विरोध करने पर जान बच सकी। फोन से पुलिस को सूचना दी तो वह जान से मारने की धमकी देकर निकल भागा। बुजुर्ग का कहना है कि वह धमका रहा है कि थाने गए तो जिंदा नहीं छोड़ूंगा। नरेंद्र तिवारी का आरोप है कि बेटे सुनील की साजिश में उसकी पत्नी भी शामिल है। तहरीर पर पुलिस ने सुनील तिवारी और अनुपमा तिवारी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

एसटीएफ के सिपाही से 2.5 लाख वसूले पर जमीन नहीं दी, प्रापर्टी डीलर के खिलाफ केस दर्ज

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। आम व्यक्ति से धोखाधड़ी होती है तो वह मदद मांगने के? लिए पुलिस की शरण लेता है। वहीं अगर पुलिस ही धोखाधड़ी की शिकार हो जाए तो बात चर्चा में आ जाती है। ऐसा ही एक मामला प्रयागराज में भी देखने को मिला। स्पेशल टास?क फोर्स (एसटीएफ) का एक सिपाही को जमीन दिलाने के नाम पर ठगा गया। उसने रुपये दिए लेकिन जमीन पर कब?जा नहीं मिल सका।

सिपाही से ढाई लाख रुपये की धोखाधड़ी : स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) प्रयागराज यूनिट में तैनात सिपाही अजय कुमार यादव से जमीन के नाम पर करीब ढाई लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। इससे परेशान पीड़ित सिपाही ने ट्रांसपोर्ट नगर नगर निवासी ज्ञानेंद्र दुबे के खिलाफ धूमनगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। जौनपुर के बदलापुर निवासी सिपाही अजय की प्रयागराज में तैनाती थी। जौनपुर जिले के बदलापुर निवासी सिपाही अजय कुमार यादव का आरोप है कि वह 2016 में पुलिस मुख्यालय में कार्यरत था। उसी दौरान मुख्य आरक्षी रामकृपाल से उसकी मुलाकात हुई थी। रामकृपाल ने ही जमीन की खरीद-फरोख्त करने वाले ज्ञानेंद्र दुबे से उसे मिलवाया था। फिर ज्ञानेंद्र दुबे ने झलवा में जमीन दिलाने की बात कहकर कई किस्तों में दो लाख 40 हजार लिए। हालांकि अब तक न तो जमीन मिली और न ही रुपया ही वापस मिल सका।

जमीन का क्रय-विक्रय करने वाले आरोपित से मुख?य आरक्षी ने कराई थी पहचान : उधर जमीन की खरीद-फरोख्त करने वाले ज्ञानेंद्र दुबे से सिपाही अजय कुमार यादव की मुलाकात करवाने वाला रामकृपाल मुख्य आरक्षी पद से दारोगा के पद पर प्रमोट हो गया। वह इस वक्त फतेहपुर में तैनात है। सिपाही अजय का यह भी आरोप है कि रामकृपाल ने भी मामले से पल्ला झाड़ लिया है, जिसके चलते वह काफी परेशान है। फिलहाल पुलिस का कहना है तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

प्रतियोगी छात्र सहित 3 ने किया सुसाइड

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज के शिवकुटी थाना अंतर्गत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले एक छात्र ने मौत को गले लगा लिया। बताया जा रहा है कि गाजीपुर का रहने वाला सादिक पुत्र शकील अहमद ने शनिवार रात अपनी मां से फोन पर बातचीत की। इसके बाद उसने फांसी लगाकर जान दे दी।

दोपहर तक सादिक जब कमरे से बाहर नहीं निकला तो पड़ोसी छात्र ने उसके कमरे के रोशनदान से देखा तो सादिक फंदे से लटक रहा था। जानकारी होने पर पुलिस पहुंची और शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्ट मार्टम हाउस पहुंचे परिजन भी कोई जवाब नहीं दे सके कि सादिक ने आखिर फांसी क्यों लगायी। कमरे से नहीं मिला कोई सुसाइड नोट शिवकुटी थाना अंतर्गत रसूलाबाद में ज्वाला देवी स्कूल के पास सादिक अहमद उम्र 23 साल किराए पर कमरा लेकर रह रहा था। वह एसएससी परीक्षा की तैयारी करता था। इस लॉज में कई कमरे हैं, जहां कई छात्र अलग-अलग कमरे में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। आज दोपहर तक सादिक के कमरे से बाहर नहीं निकलने पर साथी छात्र उसे बुलाने पहुंचे तो घटना की जानकारी हुई। पुलिस का कहना है कि किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है।

पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर परिजन रवाना हो गए हैं। वहीं पोस्टमार्टम हाउस पहुचे परिजनों ने बताया था कि सादिक ने रात में अपनी अम्मी से बातचीत की थी,उस वक्त वह नार्मल था। इसके बाद क्या बात थी कि उसने अपनी जान दे दी। एसओ मनीष कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। युवक ने लगा ली फांसी अल्लापुर में रहने वाले मंगू उम्र 32 वर्ष ने फांसी लगाकर जान दे दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगू पुत्र करन भारतीय अल्लापुर के शिवनगर स्थिति झुग्गी बस्ती में रहता था। दारागंज स्थित एक मंदिर में उसकी बहन की शादी थी। परिवार के सभी लोग वहां गए थे। मंगू व उसकी पत्नी भी जाने की तैयारी कर रहे थे। इस बीच मंगू ने अपनी पत्नी से खाने के लिए कुछ बनाने को कहा। जब पत्नी किचन में काम कर रही थी, उस दौरान मंगू ने फांसी लगा ली।

जब पत्नी खाना लेकर आयी तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था, उसके बार-बार बुलाने पर भी कोई आवाज नहीं आयी तो उसने घरवालों को सूचना दी। घरवालों के आने पर दरवाजा तोड़ा गया तो वह फांसी पर लटका मिला। सूचना पर पुलिस पहुंची ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं एक अन्य मामले में बारा थाना क्षेत्र के असरवई गांव निवासी निर्मला देवी 28 वर्ष ने घरेलू कलह में फांसी लगाकर जान दे दी। निर्मला को दो बच्चे भी हैं । बताया जा रहा है इधर दो दिन पूर्व से निर्मला और उसके ससुरालियों में विवाद चल रहा था।

पानी और बिजली की मार झेल रहे बारा क्षेत्र के निवासी

बारा। बारा तहसील के आसपास के गांवों में इस समय चल रही विद्युत की कटौती से जनता परेशानी का सामना कर रही है वही आस-पास के गांव में सबसे बड़ी समस्या पानी की है गर्मी की मार झेल रहे आसपास के निवासियों को सबसे बड़ी चिंता पानी की है क्योंकि यहां गर्मी में पानी का जलस्तर बहुत ही नीचे चला जाता है लोगों को पानी के लिए लंबी कतार का सामना करना पड़ता है बारा तहसील वासियों ने कई बार विधायक एवं सांसद से इसकी आवाज उठाई लेकिन आज तक किसी विधायक और सांसद का ध्यान इस तरफ नहीं गया यहां की जलापूर्ति टैंकरों द्वारा की जाती है जो कि बहुत ही बड़ी समस्या है बारा क्षेत्र के आस-पास के गांव ललाई गीज पहाड़ी घूरमी हल्दी कला आज आदि गांव में पानी की समस्या जस की तस बनी हुई है।

3 दिन में शरीर का पुनर्निर्माण ही तीन प्रकार का ज्ञान : स्वामी श्री योगी सत्यम

अखंड भारत संदेश

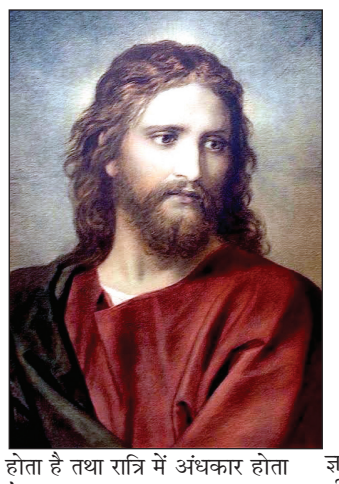

प्रयागराज। झूंसी स्थित क्रियायोगा आश्रम में रविवार को पुनरुत्थान दिवस पर क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम जी ने साधकों को प्रभु ईशा के बारे में विस्तार से समझाते हुए बताया कि प्रभु ईसा ने इजराइल में कहा था कि तुम इस मंदिर को गिरा दो मैं 3 दिन में पुनः उसे बना दूंगा । लोगों ने प्रभु ईसा की बात को बिना पूरी तरह सुने भ्रम वश यह समझ लिया कि वह ईट पत्थर आदि से बने हुए बाहर के मंदिर को गिराने की बात कर रहे हैं तथा वह झूठा दावा रखते हैं कि इस मंदिर को गिराने पर वह मात्र 3 दिन में उसे पुनः बना देंगे । प्रभु यीशु बाहर के मंदिर की बात नहीं बल्कि शरीर मंदिर की बात कर रहे थे 3 दिन का अर्थ तीन प्रकार के ज्ञान से है दिन प्रकाश का प्रतीक है दिन में प्रकाश होता है तथा रात्रि में अंधकार होता है प्रकाश ज्ञान तथा अंधकार अज्ञान का प्रतीक है ' 3 दिन का अर्थ तीन प्रकार का ज्ञान है भौतिक जगत तथा भौतिक शरीर का ज्ञान, सूक्ष्म जगत तथा सूक्ष्म शरीर का ज्ञान, कारण जगत तथा कारण शरीर का ज्ञान । भौतिक सूक्ष्म तथा कारण जगत का ज्ञान प्राप्त होने पर मनुष्य भौतिक शरीर का पुनर्निर्माण कर सकता है इसके साथ ही साथ वह इच्छानुसार शरीर को किसी भी रूप रंग आकार प्रकार में बदल सकता है ' तथा स्वामी जी ने यह भी बताया कि भौतिक सूक्ष्म तथा कारण जगत का ज्ञान प्राप्त होने पर मनुष्य के अंदर संपूर्ण सिद्धियां प्रकट हो जाती है।

राष्ट्र तब तक सुरक्षित है जब तक हिंदुत्व सुरक्षित है : विद्यासागर उपाध्याय

अखंड भारत संदेश

खजुरी में संपन्न हुआ ब्राह्मण सभा का सम्मेलन पदाधिकारियों का हुआ मनोनयन

खजुरी के ब्राह्मण सम्मेलन में मंच पर बोलते वक्ता

रत्योंरा। राष्ट्र तब तक सुरक्षित है जब तक हिंदुत्व सुरक्षित है, हिंदुत्व तब तक सुरक्षित है जब तक ब्राह्मण सुरक्षित है। यह बातें ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता विद्यासागर उपाध्याय ने कोरांव तहसील क्षेत्र के खजुरी में पं कृष्णानंद प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में आयोजित ब्राह्मण सभा की जनसभा को संबोधित करने के दौरान कही। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए ब्राह्मण समाज के लोगों से एकजुट व संगठित रहकर समाज के कमजोर वर्ग के लोगों का सहयोग करने की भी अपील की। जनसभा को प्रमुख रूप से ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय त्रिपाठी ने संबोधित करते हुए समाज के लोगों को बिखरने के बजाय संगठित होने का संदेश दिया। इसी प्रकार राष्ट्रीय संयोजक प्रदीप द्विवेदी ने भी समाज में व्याप्त बुराइयों पर प्रकाश डालते हुए समाज के लोगों से एकजुट रहने का आह्वान किया। जनसभा को प्रमुख रूप से रंजना मिश्रा प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, प्रीति धौड़ीयाल राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य उत्तराखंड, डॉ संतोष मिश्र प्रदेश अध्यक्ष आदि ने संबोधित किया। प्रीतिका शंकर शंकराचार्य पीठ चेन्नई मैं संबोधित करते हुए उपस्थित समाज के लोगों से अपने संस्कार व संस्कृति की रक्षा व संरक्षा करते हुए समाज को आगे बढ़ाने एवं युवा पीढ़ी को संस्कारित बनाने का आह्वान किया। सम्मेलन में प्रयागराज जनपद के पदाधिकारियों का मनोनयन भी किया गया। जिसमें ब्राह्मण सभा का जिलाध्यक्ष बलराम द्विवेदी, उपाध्यक्ष अवनीश मिश्र, मोनू भभया, राजेश द्विवेदी, अव्यक्त राम मिश्र पूर्व ब्लाक प्रमुख, महामंत्री शिवाकांत पांडेय, अजय राज शुक्ला, प्रेम शंकर शुक्ला पूर्व ब्लाक प्रमुख, कमलेश द्विवेदी ब्लाक प्रमुख करछना, मंत्री पद पर शुभम मिश्रा, सुशील कुमार मिश्रा, कमला शंकर द्विवेदी, रमाकांत मिश्र, तथा संगठन मंत्री पद पर मनीराम शुक्ला, शिवम तिवारी, शिव शंकर पांडेय, शिवदयाल शुक्ला, कोषाध्यक्ष पद पर सरस्वती मिश्र उर्फ गुलाब मिश्र का मनोनयन किया गया। जनसभा की अध्यक्षता पूर्व ब्लाक प्रमुख मेजा प्रेम शंकर शुक्ला तथा संचालन बबुआन द्विवेदी ने किया। इस दौरान आशु द्विवेदी, तहसील अध्यक्ष मेजा, प्रमोद शुक्ला तहसील अध्यक्ष कोरांव, लवकुश मिश्रा, हिर्दय तिवारी, नयन मिश्र, शुभम मिश्रा, मेजा ब्लॉक प्रमुख के प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्र, राजा पांडेय, शिमलेश पांडेय, अनिल शुक्ल समेत भारी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित रहे।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के जिला अध्यक्ष के पिता की मनाई गई प्रथम पुण्य तिथि

करछना। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के जिला अध्यक्ष विनीतपति त्रिपाठी के समाजसेवी पिता स्व रमेश चंद्र तिवारी की प्रथम पुण्यतिथि उनके पैतृक आवास नरैना गांव में शनिवार को मनाई गई। नरैना गांव के पूर्व प्रधान सुरेश तिवारी के संयोजकत्व में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में नम आंखों से लोगों ने उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके नमन करते हुए उन्हें याद किया गया। जिसमें लोगों की आंखें भर आई। लोगों ने कहा कि समाजसेवी रमेश चंद्र तिवारी मिलनसारता के साथ व्यक्तित्व के धनी रहे । और लोगों की हर प्रकार की सेवा और सहायता हमेशा करते रहे। इस मौके पर पं राम अक्षवर शुक्ल पं राम कैलाश शुक्ल सुशील मिश्र दिनेश तिवारी दिव्यानंद तिवारी उमाकांत तिवारी चिरौंजी लाल केसरवानी विनायक पंडित नरेश सोनकर डीएम मिश्र टीएन मिश्र आदि लोग मौजूद रहे।

प्रीतमनगर में घर के भीतर मिली महिला की लाश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र के प्रीतम नगर में रहने वाली एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रविवार को उसका शव कमरे में पाया गया। महिला घर में अकेले रहती थी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। रविवार दोपहर में प्रीतम नगर के एक मकान से लोगों को दुर्गंध उठती महसूस हुई। बदबू काफी थी, ऐसे में मकान के बाहर भीड़ जुट गई। उस मकान के दरवाजे के पास बदबू बढ़ती जा रही थी। मुहल्ले के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। धूमनगंज पुलिस ने पहुंच काफी कोशिश की लेकिन दरवाजा नहीं खुला। अंत में पुलिस ने दरवाजा तोड़ दिया। पुलिसकर्मी कमरे में दाखिल हुए तो बिस्तर पर एक महिला की लाश पड़ी थी। लाश कई दिन की लग रही थी। पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया। आसपास रहने वालों से पुलिस ने पूछताछ शुरू की तो लोगों ने उसका नाम नाम दीना (55) बताया। सभी ने कहा कि वह मकान में अकेले रहती थी। घर में कोई और नहीं दिखाई देता था। कुछ दिनों से उससे मिलने भी कोई नहीं आता देखा गया। पड़ोसी ने एक सप्ताह पहले उसे देखने की बात कही। यह भी बताया गया कि महिला बीमार रहती थी। इंस्पेक्टर धूमनगंज अनूप सिंह के मुताबिक, शव सड़ गया है। लगता है दस दिनों के करीब हो गया। बीमारी से ही मौत हो सकती है। पूछताछ कराई जा रही है।

ओम गायत्री नगर में ताला तोड़कर चोरी

प्रयागराज। कर्नलगंज थाना क्षेत्र के ओम गायत्री नगर सलोरी में रहने वाले रोहित सिंह पुत्र अर्जुन सिंह के मकान का ताला तोड़कर चोरों ने गहने, कीमती सामान और लैपटॉप गायब कर दिया। परिवार के लोग बाहर गए हुए थे। लौटकर आए तो दरवाजे और आलमारी, सूटकेस का ताला टूटा देख चोरी का पता चला। मामले में रोहित सिंह की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। रोहित का कहना है कि चोरों ने दो कमरों का ताला तोड़ा। वह किचन से कीमती बर्तन तक उठा ले गए। मां के पुराने गहने बदमाश ले गए जिनकी कीमत कई लाख रुपये है। पुलिस पूछताछ कर रही है।

दिन में तपिश से परेशान, शाम को पार्क गुलजार

अखंड भारत संदेश

इस सप्ताह बारिश के आसार....

पिछले 10 दिनों से भीषण गर्मी झेल रहे शहरियों को इस सप्ताह तपिश से थोड़ी राहत मिल सकती है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय भूगोल विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो.एचएन मिश्र का कहना है कि गुजरात की ओर मानसून सक्रिय होता दिख रहा है। जिसका असर इस हफ्ते प्रयागराज में भी दिखने की संभावना है। हल्की बूंदाबांदी के साथ तेज बौछार पड़ सकती हैं, जिससे गर्मी में कुछ राहत मिलेगी। हालांकि फिर तापमान चढ़ेगा।

प्रयागराज। सूरज का कहर रविवार को भी बरपा। दोपहर में अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस रहने के कारण जो भी सड़क पर निकला, खुद को ढंककर बचाते हुए दिखा, लेकिन शाम को राहत मिलते ही लोग घरों से पार्क की ओर गए। जहां खुली हवा और झील में बोटिंग का आनंद लिया।रविवार को अवकाश का दिन था लेकिन तमाम लोगों को घरों से निकलना पड़ा। दोपहर में गर्म हवा के थपेड़ों ने परेशान किया। कुछ ही कदम चलकर लोग खुद को ढंकते दिखाई दिए। शीतल पेय पदार्थों की दुकानों पर भीड़ अधिक दिखी। दोपहर दो बजे के बाद तो हालात और भी खराब हो गए। अधिकांश लोग इस समय छांव की तलाश ही करते रहे। लेकिन शाम को शहर के पार्क एक बार फिर गुलजार हुए। आजाद पार्क में शाम पांच बजे के बाद से भीड़ बढ़नी शुरू हुई। छोटे-छोटे बच्चे अपने माता-पिता के साथ पार्क पहुंचे तो झूलों पर बचपन जमकर खेला। वहीं सामने हाथी पार्क में बनी छोटी झील बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र रही। पार्क में झूलों पर मस्ती के साथ ही बच्चों ने यहां पर बोटिंग का आनंद लिया। रविवार को न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

गोदाम खाली, कैसे मिलेगा खाद्यान्न

प्रयागराज। गरीबों को मुफ्त राशन वितरण में इस बार परेशानी आ सकती है। प्रदेश सरकार के निर्देश पर इस वक्त पिछले महीने के दूसरे चरण का खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि 20 अप्रैल से अप्रैल महीने का राशन वितरित किया जाना है। दो चरणों के वितरण के कारण इस बार गोदामों में खाद्यान्नों की कमी हो गई है। हालांकि जिला प्रशासन की ओर से मांग की गई है। लेकिन फिलहाल 20 अप्रैल से होने वाला वितरण मुश्किल में दिख रहा है। एडीएम नागरिक आपूर्ति जेपी सिंह का कहना है कि प्रयास किया जा रहा है। एकाध दिन में गोदामों में खाद्यान पहुंच जाएगा। इसके बाद वितरण शुरू होगा।

जल्द दूर होगी शहर में पानी की किल्लत करोड़ों रुपए से बन रही दो पानी की टंकी

अखंड भारत संदेश

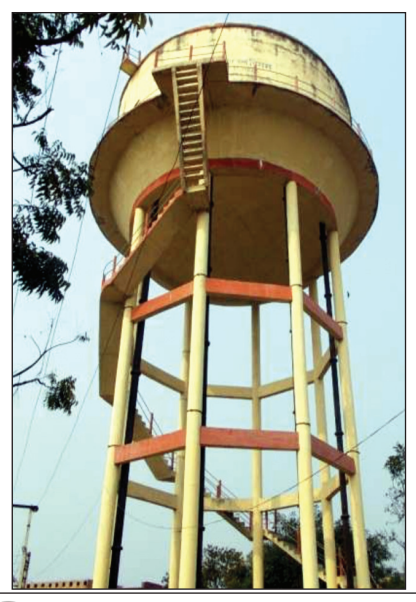

प्रयागराज। गर्मी के दिनों में पानी की समस्या बढ़ जाती है। इस समस्या से प्रयागराज जिला भी अछूता नहीं है। शहर के कई इलाके पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। गर्मियों के मौसम में पानी की किल्लत और भी बढ़ जाती है। जल निगम इस समस्या से अवगत है। इसके लिए उपाय भी कर रहा है। आइए जानें कि शहर में ऐसे कौन से तीन मोहल्ले हैं, जहां जून तक पानी की समस्या खत्म हो जाएगी। अन्य क्षेत्रों में भी पानी की टंकी बनाई जाएगी। इसके लिए सर्वे किया जा रहा है।

अलोपीबाग, बैरहना व छोटा बघाड़ा के 50 हजार की आबादी को राहत

प्रयागराज शहर में अलोपीबाग, बैरहना और छोटा बघाड़ा के लोगों को पानी की समस्या से अब परेशान नहीं होना पड़ेगा। जल निगम की ओर से इन क्षेत्रों में पानी की टंकी बनाई जा रही है। इन टंकियों का निर्माण कार्य जल्द ही पूरा हो जाएगा। इन तीनों क्षेत्रों में टंकी का निर्माण कार्य पूरा होने से 50 हजार से अधिक की आबादी को लो-प्रेशर की समस्या से भी छुटकारा मिल जाएगा।

अमृत योजना के तहत पानी टंकी का निर्माण

अमृत योजना के तहत तीन पानी की टंकी निर्माण कराया जा रहा है। जून में अलोपीबाग में पानी की टंकी बनकर तैयार हो जाएगी। इसकी क्षमता 1100 किलोलीटर है। इसे 1.20 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की जा रही है। बख्शी बांध पर बघाड़ा के लिए 1150 किलो लीटर क्षमता की टंकी बनाई जा रही है, जिसकी लागत 1.30 करोड़ रुपये है। बैरहना में 1400 किलो लीटर क्षमता की पानी टंकी तैयार हो रही है, जिसकी लागत 1.60 लाख रुपये है। तीनों पानी का निर्माण अमृत योजना के तहत कराया जा रहा है।

ईस्टर के पर्व पर आधी रात को चर्च में जुटा क्रिश्चियन समुदाय

प्रभु यीशू के जीवन के बारे में फादर ने दी जानकारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। दहिलामऊ स्थित होली रोजरी चर्च में प्रभु यीशू के मृतकों में से जी उठने के पर्व ईस्टर को मनाया गया। इसाई धर्म के विश्वास के अनुसार प्रभु यीशू की गुड फ्राइडे के दिन क्रूस पर मृत्यु हो गई थी और उनकी मृत्यु के तीसरे दिन वे मृतकों में से पुनः जीवित हो गये थे और पिता परमेश्वर ने उनको सशरीर इस दुनिया से उठा लिया था।

होली रोजरी चर्च में आयोजित ईस्टर पर्व में जुटे इसाई समुदाय के लोग।

इस दिन को मनाने के लिये शनिवार की रात ग्यारह बजे होली रोजरी चर्च में इसाई समुदाय के लोग एकत्रित हुए जहां फादर ग्रेगरी डिसूजा ने सर्वप्रथम आग पर आशीष की प्रार्थना पढ़ी, जिससे संसार भर के लोग पाप के अंधकार से दूर होकर ईश्वरीय रोशनी से पवित्र हो जाएं। लोगों को संदेश देते हुए फादर आनंद केवी जान ने कहा कि प्रभु यीशू मसीह जीवन्त ईश्वर के पुत्र थे, उनकी क्रूस पर मृत्यु यह संदेश देती है कि क्रूस पर मसीह की मृत्यु के द्वारा हम मानव पाप से मुक्त हो गये और आज उनका मृतकों में से पुनरुत्थान हमें विश्वास दिलाता है कि हम सब प्रभु यीशू में पुनर्जीवित हुए हैं। इस मौके पर सिस्टर अनीता, सिस्टर हेलेन, विन्सी, लेश्मा, संदीप सिंह, पीटर जूलियस, पतरस कुजूर, अशोक एक्का, सुषमा एक्का, वंदना इलियाजर, एंजला जेम्स, पौलुस आदि लोग मौजूद रहे।

अमृत महोत्सव मेले का आयोजन आज

परियावां, प्रतापगढ़। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालाकांकर में 18 अप्रैल को आजादी का अमृत महोत्सव मेले का भव्य आयोजन किया गया है। चिकित्सा प्रभारी डॉ मनोज कुमार वर्मा ने बताया कि मेले में आम जनमानस का डिजिटल हेल्थ कार्ड, आयुष्मान कार्ड, विकलांग कार्ड, विशेषज्ञ सेवाएं (फिजीशियन सर्जन नेत्र सर्जन हड्डी रोग विशेषज्ञ नवजात एवं बाल रोग विशेषज्ञ स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ) आदि द्वारा ओपीडी सेवाएं दी जाएंगी। साथ ही में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित सभी स्कीमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी, साथ में हेल्दी बेबी शो, टीकाकरण, औषधि एवं खाद्य विभाग, बाल पुष्टाहार एवं पंचायती राज विभाग द्वारा भी प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

अशोक कुमार अध्यक्ष व जय प्रकाश पाण्डेय बने शैक्षिक महासंघ के महामंत्री

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ प्राथमिक संवर्ग की जनपदीय कार्यकारिणी का निर्वाचन रविवार को तिलक इंटर कालेज प्रतापगढ़ के प्रांगण में प्रांतीय मंत्री कामतानाथ के पर्यवेक्षण तथा निर्वाचन अधिकारी सुरेश सिंह द्वारा सम्पन्न कराया गया।

प्रतिनिधि सभा के माध्यम से जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड के 10 शिक्षकों पर एक शिक्षक प्रतिनिधि द्वारा मतदान किया गया। नामांकन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद स्पष्ट हुआ कि अध्यक्ष और महामंत्री पद के लिये दो-दो दावेदारों ने नामांकन प्रस्तुत किया है। मतदान सुबह दस बजे से दो बजे तक प्रारंभ हुआ। मतगणना का कार्य पूर्ण होने पर अशोक कुमार राय को अध्यक्ष पद पर और जय प्रकाश पाण्डेय को महामंत्री पद पर निर्वाचित घोषित किया गया। कुल 187 शिक्षक प्रतिनिधियों में से 105 ने अपने मत का प्रयोग किया। अशोक राय को 102 मत और जय प्रकाश पाण्डेय को 88 मत प्राप्त हुए। चुनाव के बाद बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष अरुण शुक्ला ने शिक्षकों को बधाई दी। इस मौके पर शिव शंकर ने भी अपने विचार रखे।

शैक्षिक महासंघ प्राथमिक संवर्ग की जनपदीय कार्यकारिणी का निर्वाचन सम्पन्न

शैक्षिक महासंघ के नयी कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण।

सीएचसी में आज होगा स्वास्थ्य मेले का आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अरविन्द कुमार श्रीवास्तव ने बताया है कि आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत ब्लाक स्तरीय स्वास्थ्य मेले का आयोजन 18 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुण्डा, महेशगंज एवं कालाकांकर में किया जायेगा। स्वास्थ्य मेले का शुभारम्भ जनप्रतिनिधियों द्वारा किया जायेगा। स्वास्थ्य मेले हेतु अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 सीपी शर्मा को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

दो घरों से निकला जनाजा, दहल गया पूरा गांव, शनिवार को नहाते समय डूब गये थे दो दोस्त

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शनिवार को सुबह 10 बजे के करीब तीन दोस्त चलाकपुर गांव सई नदी के किनारे घाट पर स्नान करने गए थे एक दोस्त को बचाने के चक्कर में दो दोस्त मौत के मुंह में समा गए। गुफरान और सलीम की मौत हो गई। दो घंटे तक सई नदी में गोताखोरों द्वारा ढूंढने के बाद शनिवार की दोपहर एक बजे के करीब सलीम और गुफरान का शव बाहर निकाला गया। पंचनामा कराकर पुलिस ने दोनों युवकों के शव को परिजनों को सौंप दिया।

दूसरे दिन रविवार को गुफरान और सलीम का दाह संस्कार करने के लिए हजारों की संख्या में लोग चलाकपुर तथा जगदीश गढ़ गांव अंतिम संस्कार में पहुंचे लोगों की आंखों में आंसू देखने को मिला।

करुण क्रंदन से पूरा गांव दहल गया चंद मिनटों में दोनों दोस्तों की जिंदगी मौत में बदल गई जिसे किसी ने सोचा भी नहीं था इस तरह की घटना क्षण मात्र में हो जाएगी। गुफरान थाना क्षेत्र कंधई के जगदीशगढ़ गांव निवासी मुस्तकीम का बेटा अपने ननिहाल इब्राहिम सूबेदार के यहां अक्सर रहता था रमजान के महीने में वह गांव के समीप मस्जिद में लोगों को तरावी पढ़ाता था। स्वाले को बचाने में दोनों दोस्त खुद ही गहरे पानी के नीचे जाने से अपनी जान गवा दी। लोगों ने कहा दोस्ती की मिसाल इन तीनों के बीच देखने को मिली है। स्वाले गुफरान और सलीम से उम्र में छोटा था जब वह डूबने लगा तो दोनों साथी उसे बचाने के लिए पीछे से उसको खींचकर बाहर कर दिया लेकिन खुद ही पानी में डूब जाने के बाद घर से लेकर गांव तक चीख पुकार और कोहराम मच गया।

बच्चा बैंक ने जरूरतमंद छात्रों को निशुल्क किताबें बांटी

अखंड भारत संदेश

साथी की मदद को आगे आए बीबीएफजी के सीनियर छात्र

प्रतापगढ़। नवीन सत्र में स्कूलों में दाखिला लेने वाले जरूरतमंद बच्चों, छात्रों की मदद करने के लिए बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी आगे आया है। ग्रुप की सहायता से शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों ने रविवार को भंगवा सेंटर पर बेसिक स्कूलों में पढ़ने वाले दर्जन भर साथियों को अपनी पुरानी पुस्तकें दानकर मदद की मिशाल पेश की है।

इसके अलावा ग्रुप की लाइब्रेरी में रखी पुस्तकों का भी निशुल्क वितरण किया गया। जय प्रकाश, सिमरन, शुभम, शिवम, सर्वेश, पूजा, प्रिया, आकाश समेत दर्जन भर से अधिक बच्चों को किताबें दी गई। ग्रुप के टीचर शनि सरोज ने बताया कि क्लास 6, 7, 8 के छात्र छात्राओं को हिंदी, गणित, अंग्रेजी और संस्कृत भाषा इत्यादि की पुरानी पुस्तकों का वितरण बीबीएफजी की तरफ से किया गया। जब तक नई किताबें नहीं आ जाती। बच्चे इन्हीं पुरानी किताबों से पढ़ सके। इसके लिए बच्चा बैंक जरूरतमंद छात्रों की मदद को आगे आया है।

जरुरतमंद छात्रों को किताबें देते बच्चा बैंक के लोग।

प्राविधिक स्वयं सेवक के चयन हेतु नागरिक 23 अप्रैल तक करें आवेदन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव नीरज कुमार त्रिपाठी ने बताया है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हेतु जनपद में विभिन्न स्थानों पर कार्य किये जाने हेतु पराविधिक स्वयं सेवकों को नामित किया जाना है। उन्होने बताया है कि ऐसे व्यक्ति महिला/पुरूष जो बिना किसी आर्थिक लाभ के समाज के कमजोर एवं वांछित वर्गो के उत्थान में रूचि रखते है तथा उनके कार्य करना चाहते है, वे आवेदन कर सकते हैं। पूर्व में चयनित पराविधिक स्वयं सेवक भी पुनः आवेदन दे सकते है उन्हें वरीयता प्रदान की जायेगी। उन्होंने बताया है कि पराविधिक स्वयं सेवकों को अपने क्षेत्र में विधिक जागरूकता विधिक सहायता के लिये पीड़ित एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के बीच सेतु का कार्य, प्राधिकरण के प्रबन्ध कार्यालय एवं विधिक सहायता केन्द्र में विधिक सेवा का कार्य या अन्य कोई कार्य जो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय द्वारा सौपा जायेगा को करना है। उन्होने बताया है कि पराविधिक स्वयं सेवकों को स्वेच्छा से बिना किसी लाभ के कार्य करना है तथा यह कोई सरकारी पद पर भर्ती नही है, अतः पदों का आरक्षण नही है परन्तु योजना के अनुरूप सभी वर्गो को पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया जायेगा। इस हेतु शैक्षिक योग्यता 10वीं पास है। पराविधिक स्वयं सेवकों के कार्य के लिये कोई वेतन, परिश्रमिक या मजदूरी समय-समय पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा तय किये मानदेय के अलावा नही होता है। आवेदक अपने कार्य करने की रूचि जिला स्तर, तहसील स्तर या ग्राम स्तर पर कार्य करने की इच्छा या वरीयता दशार्ये। उन्होने बताया है कि पराविधिक स्वयं सेवक के चयन हेतु आवेदक भारत का नागरिक हो, शारीरिक रूप से स्वस्थ हो, अच्छा चरित्र का हो तथा समाज सेवा में रूचि रखता हो। आवेदक विहित प्रपत्र में आवेदन पूरी तरह भरकर तथा अपने शैक्षिक एवं अन्य योग्यता का प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित छायाप्रति लगाकर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रतापगढ़ के कार्यालय में हाथो हाथ या पंजीकृत डाक से 23 अप्रैल तक भेज सकते है। प्राविधिक स्वयं सेवक के चयन हेतु आवेदन पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रतापगढ़ से प्राप्त कर सकते हैं।

परियावां बाजार में बनी सीसी सड़क होने लगी क्षतिग्रस्त, व्यापारियों ने प्रशासन का ध्यान कराय आकृष्ट

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। प्रयागराज-लखनऊ नेशनल हाइवे से जुड़ा परियावां लवाना वाया सलवन मार्ग के पाइकगंज बाजार में स्टेट बैंक के निकट पिछले साल बरसात के समय बनकर तैयार हुई सड़क जगह जगह क्षतिग्रस्त होने लगी है। यदि यही हाल रहा तो बहुत जल्द सीसी सड़क गड्ढों में तब्दील हो जाएगी।

सड़क के क्षतिग्रस्त होने से यह बात सामने आ रही है कि सड़क निर्माण कार्य मे गुणवत्ता को घ्यान में रखकर सड़क का निर्माण कार्य नही कराया गया। इतना ही नही सीसी सड़क के बनने के बाद सड़क की पटरी के दोनों तरफ बनी सीसी नालियां का धीरे धीरे नामो निशान गायब होता दिखाई दे रहा है, जिससे वारिश का पानी निकल पाना मुश्किल दिखाई दे रहा है। बता दे कि पिछले साल बनकर तैयार हुई परियावां बाजार की नाली के साथ सड़क पर रेल विभाग की गिट्टी से लदी ओवरलोड ट्रक 10 से लेकर 16 टायरा तक ट्रकों का दिन भर आवागमन लगा रहता है। जिसमे 70 से लेकर 80 टन तक गिट्टी लदी रहती है। ट्रक के सड़क से गुजरते समय भारी वाहन से सड़क वजन पाकर दबने लगती है। इतना ही नही ओवर लोड रेलवे की गिट्टी के साथ मोरंग व लिंटर मे पड़ने वाली गिट्टी से लदी ओवरलोड ट्रक भी इसी सड़क से गुजरती है। यदि यही हाल रहा तो जल्द ही सीसी सड़क जगह जगह गड्ढों से तब्दील हो जाएगी। इतना ही नहीं ट्रकों के आवागमन के दौरान कभी कभी अच्छा खासा बाजार में जाम लग जाता है, जो परेशानी का सबब बन जाता है। जब कि परियावां बाजार के व्यापारियों की लम्बे अर्षो से सीडी सड़क की मांग किसी तरह पूरी हुई तो उस पर ओवरलोड ट्रकों का आवागमन शुरू हो गया, जिस पर कोई जिम्मेदार अधिकारी अंकुश नहीं लगा पा रहा है। स्थानीय व्यापारी राजेश साहू, अनिल अग्रहरि, गनेश अग्रहरि, मनोज जायसवाल, सुभाष जायसवाल, अश्वनी मोदनवाल, सोम सोनी, आशीष जायसवाल, राधेश्याम अग्रहरि, विजय अग्रहरि, प्रदीप कुमार, सचिन जायसवाल, अजय अग्रहरि, संजय कुमार, रिंकू अग्रहरि, मुकुल अग्रवाल, अंजली अग्रवाल आदि लोगों ने लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता प्रतापगढ़ का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया है।

सीसी सड़क पर चलते भारी वाहन।

ट्रेन का स्टापेज न होने से व्यापारियों में आक्रोश

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। प्रयागराज लखनऊ रेलवे ट्रैक के परियावां कालाकांकर रेलवे स्टेशन पर प्रयागराज कानपुर इंटर सिटी ट्रेन 14101 अप व 14102 डाउन व प्रयागराज लखनऊ इन्टर सिटी एक्सप्रेस ट्रेन 14209 अप व 14210 डाउन ट्रेन का स्टॉपेज न होने के कारण ब्यापारियों के साथ यात्रियों को बड़ी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रेन के स्टॉपेज के लिए स्थानीय ब्यापारियों ने क्षेत्रीय सांसद विनोद सोनकर को मौखिक के साथ लिखित प्रार्थना पत्र दिया लेकिन आज दिन तक दोनों एक्सप्रेस ट्रेन का परियावां कालाकांकर रेलवे स्टेशन पर स्टॉपेज नही हो सका। सांसद के इस रवैये के चलते स्थानीय व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त है।

अवैध आरा मशीनों पर होगी कार्रवाई ,विभाग ने लिया संज्ञान

अखंड भारत संदेश

क्षेत्र में संचालित अवैध आरा मशीनों को चिन्हित करने में जुटा विभाग

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र में संचालित अवैध आरा मशीनो पर प्रकाशित खबर को वन विभाग ने संज्ञान में लेते हुए जाँच शुरू कर दी है। अब बिना लाइसेंस की चल रही आरा मशीनों को चिन्हित कर विभाग कार्रवाई करेगा।

स्थानीय वन रेन्ज के अन्तर्गत लगभग दर्जन भर आरा मशीनें संचालित हो रही है। इनके पास लाइसेंस नही है। जिसकी खबर 16 अप्रैल के अंक में प्रमुखता से खबर प्रकाशित किया तो रेन्जर ए०के० शुक्ला ने संज्ञान में लेते हुए जाँच सुरू कर दी। अब वन विभाग संचालित सभी अवैध आरा मशीनों की जाँच करा कर कार्रवाई करेगा। साथ ही जिनके पास लाइसेंस है उनका भी मानक देखा जायेगा।जो मानक को दर-किनार कर आरा मशीनो का संचालन कर रहे है उन्हे भी चिन्हित कर कार्रवाई की जायेगी। क्षेत्र में कई आरा मशीने खुले आम प्रतिबंधित हरी लकड़ियों का चिरान करती है।

क्षेत्र के एक ही गाँव कौशिल्यापुर में तो चार आरा मशीनें है जिसमें तीन विना लाइसेंस के ही धडल्ले से चल रही है। वन विभाग को अवैध आरा मशीनों के विषय में जानकारी नही है या फिर वन माफियाओं के कारनामों को नजर अंदाज कर रहा है। क्षेत्र के लोगो का आरोप है कि मामले की शिकायत कई बार विभाग के लोगों से की गई लेकिन कार्रवाई क्या होती है इसकी जानकारी तो नही हो पाती लेकिन इन मशीनों का संचालन कभी बंद नही हुआ है। यही नहीं, क्षेत्र में जो वैध आरा मशीनें हैं, यदि उन पर नजर डालें तो उसमे तो कुछ वैध होते हुए भी विभागीय मानको पर संचालित न होने के कारण अवैध ही कही जा सकती है। क्षेत्र के उदयपुर व सांगीपुर स्थित आरा मशीनों पर प्रतिबंधित हरी लकड़ियों का चिरान तेजी से हो रहा है।

क्या कहते है अधिकारी?

प्रतापगढ़। रेन्जर ए०के० शुक्ल ने बताया की क्षेत्र में जो वैध आरा मशीनें व मानक पर है वही चलेगीं। सभी को चिन्हित किया जा रहा है। जल्द ही जाँच करके अवैध आरा मशीनों पर कार्रवाई की जायेगी।

मंदिर के विकास एवं सौंदर्यीकरण की हुई समीक्षा

मंगापुर के बाबा अमरनाथ धाम में बैठक सम्पन्न

मंगापुर स्थित बाबा अमरनाथ धाम।

अखंड भारत संदेश

सांगीपुर, प्रतापगढ़। सांगीपुर ब्लाक स्थित मंगापुर के बाबा अमरनाथ धाम पर बाबा अमरनाथ धाम व्यवस्था संचालन समिति की महत्वपूर्ण बैठक शिक्षाविद मनो विश्राम मिश्र की अध्यक्षता में संपन्न हुई। वरिष्ठ अधिवक्ता परशुराम उपाध्याय सुमन ने उपस्थित शिवभक्तों का स्वागत करते हुए मंदिर के विकास एवं सौंदर्यीकरण हेतु समिति द्वारा किए जा रहे प्रयास की समीक्षा करते हुए वस्तुस्थिति से अवगत कराया।

प्रस्ताव रखा कि पूजा-पाठ व्यवस्था के नियमित रूप से संचालन करने हेतु प्रतिमाह आर्थिक सहयोग देने वाले श्रद्धालु शिवभक्तों की संख्या बढ़ाने का प्रयास किया जाए। बैठक में मंदिर के पूजा पाठ व्यवस्था हेतु शिव भक्तों द्वारा प्राप्त हो रहे मासिक आर्थिक सहयोग के सदुपयोग के संबंध में पारदर्शी स्वरूप प्रस्तुत करते हुए व्यवस्था संचालन समिति के अध्यक्ष आशुतोष मिश्र ने अब तक का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पुजारियों को निर्धारित समय पर मासिक वेतन का भुगतान सुनिश्चित कर दिया जाए। बैठक में पंडित मनो विश्राम मिश्र, परशुराम उपाध्याय सुमन, बम बहादुर सिंह राजेंद्र, आशुतोष मिश्रा, जय कांत शुक्ला, अवनीश शर्मा अंकुर, पंडित बद्री प्रसाद मिश्र, राजकुमार यादव, राजेंद्र कुमार मिश्र, हीरालाल, धर्मेंद्र मिश्रा, कमलेश आदि उपस्थित रहे।

बैंक डेलीगेट चुनाव में रेल यूनियन ने उतारे प्रत्याशी, 22 को वोटिंग

मेंस, मजदूर और कर्मचारी यूनियन प्रतापगढ़ में लड़ रही चुनाव, बैलेट पेपर से होगा चुनाव, तीनों यूनियनों के बीच कांटे की लड़ाई

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। लखनऊ मंडल के रेलवे कोआपरेटिव बैंक डेलीगेट्स के चुनाव में रेल यूनियन ने अपने उम्मदीवार उतार दिए है। प्रतापगढ़ में नॉर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन ने निवर्तमान डेलीगेट विजय यादव पर विश्वास जताया।

उन्हें उम्मीदवार बनाकर मैदान में उतार दिया है। उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन ने उदयराज वर्मा और उत्तर रेलवे कर्मचारी यूनियन ने वीके यादव नए चेहरे को लड़ाया है। तीनों ने यूनियन के नेताओं के साथ मिलकर जनसंपर्क तेज कर दिया है। इनके बीच कड़ा मुकाबला होने के आसार दिखाई दे रहे हैं। यूनियन के कद्दावर नेताओं ने प्रचार की कमान संभाल ली है। बैलेट पेपर से मतदान होगा। वोटरों को अपने पाले में करने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं।

रेलवे कोआपरेटिव बैंक का चुनाव यूनियनों के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है। जिसके अधिक डेलीगेट्स जीतेंगे चेयरमैन और डिप्टी की कुर्सी भी उसी की होगी। चुनाव हर पांच साल के बाद होता है। प्रतापगढ़ में मेंस यूनियन का ही अभी तक वर्चस्व रहा है। पिछले पन्द्रह वर्षो से यहां पर उन्हीं का उम्मीदवार विजय यादव डेलीगेट का चुनाव जीतता रहा है।

विजय इस बार चैथी बार मैदान में है। वे इंजीनियरिंग विभाग में कर्मचारी हैं। मजदूर यूनियन ने नए प्रत्याशी उदयराज वर्मा को विजय के सामने उतार दिया है। उदय कोचिंग विभाग में कार्यरत है। वे काफी समय से मजदूर यूनियन से जुडे है। पहली बार चुनाव लड़ रही उत्तर रेलवे कर्मचारी यूनियन की तरफ से वीके तिवारी चुनाव मैदान में है। मेंस यूनियन के सचिव अनिल कुमार शुक्ला ने बताया कि चुनाव की प्रक्रिया आयोग द्वारा संपादित होगी।

सिंबल आवंटित, एसएस दफ्तर में डाले जायेंगे वोट

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। विजय यादव को सिलाई मशीन, वीके को उगता सूरज और उदय राज को मुर्गा चुनाव चिन्ह मिला है। 22 अप्रैल को स्टेशन अधीक्षक कार्यालय के बूथ पर सुबह सात से शाम पांच बजे तक वोट डाले जाएंगे। शाम को मतगणना होकर रिजल्ट घोषित होगा। प्रतापगढ़ में सहकारिता बैंक के कुल 436 मेंबर है। जो वोट डालेंगे, जिसमें प्रतापगढ़, पिरथी गंज और जंघई तक के वोटर शामिल है।

पति-पत्नी के बीच उपजे विवाद को पुलिस ने सुलझाया

प्रतापगढ़। पति-पत्नी के बीच उपजे विवाद को पुलिस से सुलझाकर मामला खत्म करा दिया। बता दें कि मो0 मुजीब पुत्र फते मोहम्मद निवासी भैसाना थाना रानीगंज की शादी वर्ष 2007 में अमरीन बानो पुत्री अतीक अहमद निवासी भैसाना थाना रानीगंज के साथ हुई थी। दोनों के एक नौ वर्षीय पुत्र भी है। पिछले चार वर्षों से उक्त पति-पत्नी में विवाद चल रहा था जिसके संबंध में दोनों पक्षों द्वारा न्यायालय में वाद भी दायर किया गया है। रविवार को थाना रानीगंज पुलिस द्वारा कुछ संभ्रान्त व्यक्तियों व दोनों पक्षों के रिश्तेदारों की उपस्थिति में दोनों पक्षों को समझाया-बुझाया गया जिससे दोनों पक्ष आपसी सहमति से पुनः साथ रहने को तैयार हुए व न्यायालय से अपना-अपना मुकदमा वापस लेने की भी बात कही।

वांछित अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। थाना क्षेत्र हथिगवां के ग्राम अमान सिंह का पुरवा बेती में तिलक समारोह में एक व्यक्ति राजकुमार सरोज उर्फ मुन्ना द्वारा हर्ष फायरिंग की गई थी जिसमें समारोह में मौजूद कैमरा मैन विपिन सरोज की पीठ में गोली लग गई थी। इस घटना के सम्बन्ध मे थाना हथिगवां पर प्राप्त तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 70/22 धारा 307 भादवि पंजीकृत किया गया था।

उक्त अभियोग की विवेचना/कार्यवाही के क्रम में थाना हथिगवां के उ0नि0 श्री ओम प्रकाश सिंह मय टीम द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित वारण्टी/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर उक्त अभियोग में वांछित अभियुक्त राजकुमार सरोज उर्फ मुन्ना पुत्र रामपाल निवासी अमान सिंह का पुरवा बेती थाना हथिगवां जनपद प्रतापगढ़ को घटना में प्रयुक्त एक अदद अवैध पिस्टल 32 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस के साथ थाना क्षेत्र के लऊआ सुखदेवपुर के बंधा के पास से गिरफ्तार किया गया है। उक्त बरामदगी के संबंध में थाना हथिगवां पर मु0अ0सं0 72/22 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया। उधर थाना कंधई के उ0नि0 रमेश सिंह मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थाना स्थानीय संबंधित वांछित अभियुक्त रहुफ उर्फ रऊफ पुत्र बाबा उर्फ इसराइल निवासी कीरतपुर थाना कंधई जनपद प्रतापगढ़ को उसके घर से गिरफ्तार किया गया।

खबर संक्षेप

जनपद में वाहन चेकिंग के दौरान की कार्यवाही

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्न थानों व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई चेकिंग के दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनों को चेक किया गया जिसमे यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 70 वाहनों का ई चालान किया गया तथा 01 वाहन का चालान कर 500 रुपए सम्मन शुल्क वसूला गया

निरोधात्मक कार्यवाही में 09 अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान में साधारण मारपीट व शांति भंग करने के आरोप में थाना मंझनपुर से 02 थाना पश्चिम शरीरा से 04 थाना सराय अकिल से 01 थाना मोहब्बतपुर पइन्सा से 02 कुल 09 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय कर दिया है।

बालिका की मौत की जानकारी पर घटनास्थल पर लगी भीड़ व इन्सेट में बालिका की फाइल फोटो

घटनास्थल का निरीक्षण करते पुलिस अधिकारी

बहन के घर आई बालिका की गला घोटकर हत्या

अखंड भारत संदेश

नींबू के बाग में मिली बालिका की लाश

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र की एक बालिका चरवा थाना क्षेत्र में अपने बहन के ससुराल गई थी जहां बालिका की लाश नींबू के बाग में मिली है प्रथम दृष्टया देखने पर प्रतीत होता है कि बालिका की गला घोटकर हत्या कर शव ठिकाने लगाया गया है बाग में बालिका के शव की जानकारी जंगल में आग की तरह आसपास क्षेत्र में पहुंच गयी सूचना पाकर मौके पर ग्रामीणों समेत पुलिस पहुंच गई है पुलिस ने बालिका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है काफी प्रयास के बाद बालिका की शिनाख्त हो सकी है।

घटनाक्रम के मुताबिक करारी थाना क्षेत्र के अडाहड़ा गांव निवासी केदारनाथ यादव की एक पुत्री की शादी चरवा थाना क्षेत्र के सैयद सरावा गांव के माजरा नया तालाब मैं हुई थी केदारनाथ यादव की पुत्री अतिमा उर्फ ननकी उम्र लगभग 21 वर्ष अपनी बहन के ससुराल नया तालाब गई थी लेकिन रहस्यमय परिस्थितियों में अंतिमा बहन की ससुराल से गायब हो गई रविवार को नींबू की बाग की झाड़ियों में बालिका का शव मिलने से सनसनी फैल गई हत्या कर शव ठिकाने लगाए जाने की आशंका ग्रामीणों ने व्यक्त करना शुरू कर दिया।

चरवा थाना क्षेत्र के चिल्ला सहबाजी गांव के पास एक नींबू की बाग में रविवार की सुबह ग्रामीणों ने बालिका का शव देखा तो पुलिस को सूचना दी,ग्रामीणों की सूचना पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी घटनास्थल पर एएसपी समर बहादुर सिंह और सीओ चायल श्यामकांत के साथ पहुची फोरेंसिक टीम शव के आसपास से नमूना एकत्रित कर जांच में जुट गई है, एएसपी समर बहादुर सिंह ने बताया कि बालिका का शव मिला है बालिका की हत्या की गई है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है और मामले की जांच की जा रही है।

ई रिक्शा पलटा चालक घायल उबड़ खाबड़ सड़क बन रही है हादसे का कारण

करारी कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र के करारी बेनी राम कटरा मार्ग के तियरा मोड़ से मीरापुर जाने वाले मार्ग पर रविवार की दोपहर सामान लाद कल जा रहा एक ईरिक्शा चालक ने सड़क के गड्ढे में संतुलन खो दिया और उबड़ खाबड़ रास्ते में ई रिक्शा पलट गया है हादसे में ई रिक्शा चालक को चोटें आई हैं ई-रिक्शा पलटते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे हैं और चालक को बाहर निकाला है घायल अवस्था में चालक को इलाज के लिए चिकित्सक के पास ले गए हैं इसके पहले भी सड़क के गड्ढे के चलते एक ई रिक्शा पलट चुका है जिसमें कई सवारियों को चोटें आई थी उबड़ खाबड़ रास्ते के चलते इस सड़क पर आए दिन लोग चोटाहिल हो रहे हैं लेकिन उसके बाद भी सड़क के गड्ढे को समतल करने की ओर अधिकारियों का ध्यान नहीं जा रहा है क्षेत्र के ग्रामीणों ने आला अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए सड़क के गड्ढे को समतल कराने की मांग की है।

दुर्घटनाग्रस्त वाहन

समरसेबल की टंकी में उतराता मिला किशोर का शव, क्षेत्र में सनसनी

अखंड भारत संदेश

हत्या कर शव पानी टंकी में फेंके जाने की आशंका

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के संभुई ग्राम सभा मे गांव के बाहर स्थित नलकूप की टंकी में एक किशोर का शव उतराते हुए मिला है

_जानकारी के अनुसार संभुई ग्राम सभा निवासी अशोक साहू का गांव के बाहर समरसेबल लगा है उसी समरसेबल की पानी की टंकी में सूरज साहू उर्फ निरहुआ उम्र 16 वर्ष पुत्र अशोक साहू का शव मिला है खेत गए किसानों ने पानी की टंकी में शव देखा तो हड़कम्प मच ग्रामीणों की भीड़ लग गयी किशोर घर से 4 बजे सुबह अपने खेत गया था परिजनों को जानकारी मिलने पर होश उड़ गए चीख पुकार मच गई सूचना पर कोतवाली प्रभारी सैनी तेजबहादुर सिंह सर्किल ऑफिसर योगेंद्र कृष्ण नारायण मौके पर पहुंचकर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजकर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है वही परिजनों में कोहराम मचा हुआ है गांव में तरह तरह की चचाएँ हो रही हैं।

किशोर की मौत की जानकारी पर मौके पर पहुंची पुलिस

झूठ पर झूठ बोले माननीय लिख दोगे तो खराब हो जाएगी उनकी मर्यादा

अखंड भारत संदेश

अखबार ने हकीकत उजागर किया तो मानहानि का हवाला देकर लिखा देंगे मुकदमा

फर्जी निवास प्रमाणपत्र बनवा कर लाभ उठाने में माननीय को हासिल है महारत

कौशाम्बी। अभिलेखों में हेराफेरी बार-बार झूठ बोलने के आदी हो चुके एक माननीय के कारनामों पर यदि किसी ने खुलकर चर्चा की उनके कारनामों को लेकर यदि अखबारों में खबर छाप दी खुलेआम शिकायती पत्र देने लगे तो माननीय के मान सम्मान में ठेस लगेगी और माननीय पत्रकार और अखबार पर मुकदमा लिखा कर उन्हें जेल भेजने का प्रयास करेंगे इसलिए माननीय के झूठ पर झूठ बोलने फर्जी अभिलेख तैयार करवाने के मामले में लोग जुबान खोलने का साहस नहीं कर रहे हैं बीते कुछ वर्षों से माननीय का आतंक दिनों दिन बढ़ता जा रहा है कालाबाजारी के काले कारोबार से आगे बढ़ने वाले माननीय आज अकूत संपत्ति के धनी हैं इनकी अकूत संपत्ति की जांच कराए जाने की जरूरत है लेकिन धन पशु बन चुके माननीय की संपत्ति की जांच कौन कराएगा यदि माननीय की काली कमाई से अर्जित बेशुमार संपत्ति की अखबार में खबर प्रकाशित कर दी तो अखबार पर मानहानि करने का मुकदमा ठोक देंगे एक माननीय फर्जी निवास प्रमाण पत्र बनाने में भी सफल हैं लेकिन मजाल है कि किसी की वह माननीय के फर्जी निवास प्रमाण पत्र पर जांच करवा सके किसी पत्रकार की मजाल है क्या जो वह माननीय के फर्जी निवास प्रमाण पत्र की जांच करवाने का साहस कर सके पत्रकार क्यों माननीय के फर्जी निवास प्रमाण पत्र की जांच करवाने का साहस कर पाएगा क्योंकि बात-बात पर माननीय फर्जी मुकदमा लिखाने की धमकी देते रहते हैं लेकिन माननीय के फर्जी तरीके से निवास प्रमाण पत्र बनवाने की शिकायतें शुरू हो गई हैं और शिकायत में निष्पक्ष जांच हुई तो इन की मुश्किलें बढ़ सकती है हालांकि इस माननीय को प्रदेश की जनता जान रही है और समय आने पर माननीय को जवाब भी देगी।

माननीयों के चाबुक से प्रेस की स्वतंत्रता पर हो रहा कुठाराघात

कौशाम्बी। आजादी के 75 साल बाद भी अभिव्यक्ति की आजादी पर गुंडों माफियाओं और माननीयों का चाबुक लगातार चल रहा है भ्रष्टाचार अपराध में लिप्त लोग सच्चाई स्वीकार नहीं करना चाहते हैं मानहानि और मयार्दा का हवाला देकर सच्चाई लिखने और बोलने पर रोक लगाने का पूरा प्रयास हो रहा है चोर को चोर कहना भ्रष्ट को भ्रष्ट कहने पर भी क्या अभिव्यक्ति की आजादी पर रोक है हकीकत सुनने और समझने की शक्ति माननीय में खत्म हो गई है केवल उनके अंदर धन की लोलुपता बढ़ती जा रही है माननीय कुछ भी बोलें ढोल नगाड़े की तरह उनका मुँह बोलता है बेसुरा ताल की तरह माननीय मांग करते रहे वह जायज है लेकिन जनता ने यदि कोई न्याय की आवाज उठा

इस देश मे माननीय कुछ भी मांगे वह उनका मुंह है कि बेसुरा का ताल पत्रकारों ने हकीकत लिख दी तो माननीय की इज्जत हो हो जाएगी खराब

दी पत्रकारों ने सच्चाई लिख दी तो उनकी इज्जत खराब हो जाएगी आपके खिलाफ मुकदमा लिखा देंगे आप को जेल भेजने की धमकी देने लगेंगे इतना ही नहीं सच्चाई लिख कर समाज को आईना दिखाने वाले पत्रकारों को मौत के घाट उतार दिया जाता है यही अभिव्यक्ति की आजादी है माननीयों का यह दोहरा चरित्र जनता जान चुकी है बीते दिनों एक माननीय ने खुलकर हत्यारे की सिफारिश शुरू कर दी थी लेकिन वह माननीय है तो उनके सारे गुनाह माफ हैं यहां तक की माननीय ने मांग किया कि 60 साल से ऊपर उम्र पार कर चुके जघन्य अपराध के अपराधियों को जेल से बाइज्जत रिहा कर दिया जाए इसके पीछे भी जघन्य अपराध के अपराधियों को जेल से बाहर कराने की उनकी बड़ी साजिश थी लेकिन उनकी मांग पर विचार नहीं हुआ लेकिन यदि आम जनता इसी बात पर आवाज बुलंद की होती तो उस पर यही माननीय मुकदमा दर्ज कराने की मांग करने लगते आखिर इतना दोहरा चरित्र लाते कहां से हो।

पुण्यतिथि पर याद किए गए डॉक्टर सर्वपल्ली

पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देते छात्र

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद काशी प्रांत अजुहा नगर में रिचा पाण्डेय प्रांत खेल आयाम सह संयोजक अभाविप के नेतृत्व में प्रतिभा सरस्वती ज्ञान मंदिर में डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं नवीन इकाई घोषित की गई जिसमें नवीन कार्यकारिणी का गठन हुआ इस अवसर पर प्रांत कार्यकारिणी सदस्य शनि अग्रहरी नरेंद्र साहू दीपक सिंह ,मोहित तिवारी आदि कार्यकताओं की उपस्थित रही नगर अध्यक्ष अर्जुन प्रसाद नगर मंत्री सुमन साहू नगर सह मंत्री नितिन कश्यप संतोष पाण्डेय जलदीप कुमार आर्यन गुप्ता लोगों ने उनकी पुण्यतिथि पर माल्यार्पण किया।

18 से 23 अप्रैल तक स्वास्थ्य मेले का होगा आयोजन

कौशाम्बी। आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत जनपद के समस्त ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य ईकाइयों में स्वास्थ्य मेले का आयोजन 18 से 23 अप्रैल तक किया जायेगा, जिसमें 18 अप्रैल को मंझनपुर, 19 अप्रैल को कडा एवं मूरतगंज, 20 अप्रैल को चायल, 21 अप्रैल को सरसवॉ एवं सिराथू, 22 अप्रैल को नेवादा तथा 23 अप्रैल को कनैली में स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जायेगा। स्वास्थ्य मेले में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से सम्बन्धित विभिन्न सेवायें यथा-मातृ शिशु कल्याण, टीकाकरण, संचारी एवं गैर संचारी रोगों से सम्बन्धी सेवायें, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत पात्र लाभार्थियों का गोल्डेन कार्ड बनाने, मेला में उपस्थित लोगों के लिए डिजिटल स्वास्थ्य आई0डी0 कार्ड बनाने की सुविधा, योग एवं ध्यान, जीवन शैली परामर्श, कैंसर के रोकथाम के बारे में जागरूकता, रोगियों के लिए निःशुल्क दवायें एवं निदान आदि से सम्बन्धित स्टॉल लगाया जायेगा। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं यथा-खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा ईट राइट मूवमेन्ट पर जागरूकता लाने के लिए स्टॉल एवं सामुदायिक जागरूकता के लिए मोबाइल खाद्य सुरक्षा वैन तैनात की जायेंगी। आयुष विभाग द्वारा योग, ध्यान और सामान्य बीमारियों के लिए घरेलू उपचार के लाभ के बारे में जागरूकता, प्रदर्शन एवं औषधीय पौधों का वितरण किया जायेगा। महिला एंव बाल विकास विभाग द्वारा पोषण अभियान, टेक होम राशन आदि विभागीय योजनाओं के बारे में जागरूकता प्रदान की जायेगी। पंचायती राज विभाग द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के बारे में जागरूकता प्रदान की जायेगी ।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का हुआ आयोजन

डॉ हासिम ने कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान के लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशाम्बी। कोरोना की तीसरी लहर पर सफलता प्राप्त करने के बाद बीते रविवार से मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन प्रदेश सरकार ने करवाना शुरू कर दिया उसी कड़ी में आज दूसरे रविवार को भी नगर पंचायत अझुवा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वस्थ्य मेले का आयोजन हुआ डॉ हासिम ने बताया सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान के लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए ये आयोजन किया जा रहा है। जहां एक ही स्थान पर चिकित्सीय परामर्श ,जांच व दवाओं की निःशुल्क सुविधा दी जा रही है यह मेला जनसामान्य में बेहद लोकप्रिय है हालांकि खेती किसानी का दौर है भीड़ अपेक्षाकृत कम हो रही है फिर भी जो बीमार ग्रस्त लोग आ रहे हैं उनका समुचित उपचार किया जा रहा है इस दौरान फार्मासिस्ट गोवर्धन सिंह,एएनएम आरती संविदा एएनएम प्रीति ,सुखपाल सिंह, बबलू सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

स्वास्थ्य मेले में मरीजों की जांच करते चिकित्सक

खेत में आग से जल गए कई बीघे गेहूं

फसल जलते देख ग्रामीण टूट पडे आग बुझाने कड़ी मशक्कत के बाद बुझी आग

कोखराज कौशांबी। सिराथू तहसील के ग्राम पंचायत ककोढा में बिजली शार्ट सर्किट से गेहूं के खेत में आग लग गई देखते-देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और खेतों में गेहूं की फसल जलने लगी जानकारी मिलने पर मौके पर ग्रामीण पहुंचे मामले की सूचना फायर ब्रिगेड और स्थानीय पुलिस को दी गई कड़ी मेहनत के बाद ग्रामीणों ने खेत में लगी आग पर काबू पाया लेकिन तब तक 5 बीघा लगभग गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई है जिसकी कीमत लाखों रुपए बताई जाती है ग्रामीणों ने बताया कि रविवार दोपहर हरिश्चंद्र दीक्षित पुत्र रामसजन की 3 बीघा गेहूं की फसल व रामसुमेर पासी पुत्र कंधई पासी का डेढ़ बीघा गेंहू की फसल जलकर राख हो गयी मौके पर लेखपाल प्रधान और सेकट्री ने पहुँच कर मौके का निरीक्षण किया है।

खेत में जली फसल का दृश्य

कई दिन बीते युवक की मौत से नहीं उठा पर्दा

अखंड भारत संदेश

रेल लाइन पर मिली युवक की लाश से परिजनों ने पर्दा उठाते हुए अधिकारियों को दिया था शिकायती पत्र

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के सैय्यद सरावा रेलवे लाइन के पास 21 फरवरी को शाम 7:00 बजे एक युवक की दो टुकड़ों में लाश मिली थी जिसकी शिनाख्त शेखपुर रसूलपुर गांव निवासी प्रदीप कुमार पुत्र बलवंत के रूप में हुई है परिजनों ने पुलिस अधिकारियों को शिकायती पत्र देते हुए बताया था कि प्रदीप कुमार 20 फरवरी को 11:00 बजे सुबह मुंबई कल्याण जाने के लिए घर से निकला था और पूरा मुफ़्ती तक प्रदीप को उसके भाई अक्ष दीप सिंह ने पहुंचाया था लेकिन उसके बाद प्रदीप का मोबाइल स्विच ऑफ हो गया प्रदीप मुंबई कल्याण नहीं पहुंच सका 21 फरवरी को प्रदीप के घर फोन करके बताया गया कि उसकी लाश रेलवे लाइन के पास पड़ी है मौके पर परिजन पहुंचे तब तक लाश को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया था पुलिस ने दुर्घटना मानकर प्रदीप की लाश का पोस्टमार्टम कराया लेकिन मौके के तमाम साक्ष्य को पुलिस ने नजरअंदाज कर दिया मामले की जांच रेलवे पुलिस कर रही है लेकिन जांच के नाम पर तमाम साक्ष्य को नजरअंदाज कर रेलवे पुलिस मामले में लीपापोती करने में लगी है घटनास्थल पर शव से कुछ दूर पर खून पड़े थे शराब की खाली बोतल और अगरबत्ती भी पड़ी थी मृतक के मोबाइल का सिम तोड़कर बाहर फेंका गया था घटनास्थल पर तमाम साक्ष्य को रेलवे पुलिस ने नजरअंदाज कर दिया है वरना प्रदीप की रेल लाइन पर मिली लाश मौके पर तमाम सबूत का बयान कर रही थी परिजनों ने बताया कि 20 फरवरी को प्रदीप सैयद सरावा चौराहे पर शाम 4:00 बजे देखा गया उसके बाद उसका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया है परिजनों का कहना है कि इसके पहले भी कुछ लोगो उसे दावत के बहाने घर बुलाया था लेकिन उसे अनहोनी की आशंका थी जिस पर वह बुलावे पर उनके घर नहीं गया था परिजनों का कहना है कि पूर्व में एक बार अपने एक साथी के घर मृतक प्रदीप रुका था जिस पर युवक की हत्या कर लाश ठिकाने लगाए जाने की आशंका है इन तमाम बिंदुओं पर रेलबे पुलिस ने जांच नहीं की है परिजनों का कहना है कि ओदार पुर गांव निवासी एक ब्यक्ति ने प्रदीप को दावत में बुलाया था लेकिन वह नही गया तमाम साक्ष्य को नजरअंदाज कर पुलिस प्रदीप की मौत को दुर्घटना मानने की जल्दबाजी कर रही है परिजनों ने अधिकारियों को पत्र देकर प्रदीप की हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए मुकदमे की निष्पक्ष जाँच विवेचना कराए जाने और प्रदीप की हत्या में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर भेजा जेल भेजे जाने की मांग की है लेकिन घटना की जांच दिशा में 25 दिन बाद भी रेलवे पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है और जांच के नाम पर रेलवे पुलिस अभिलेखों को इधर से उधर भेज कर समय व्यतीत कर रही है जिससे उसकी लापरवाही उजागर हो रही है।

चोरी के आरोपी को गिरफ्तार कर छोड़ा

कौशांबी। कडा. थाना अंतर्गत बढनावा गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने शारदा प्रसाद पुत्र स्वर्गीय राम आसरे पटेल के मकान के पीछे से सेंध काटकर जेवरात व नगदी सहित लाखों का सामान पार किया जानकारी के अनुसार परिजनों ने घर के अंदर देखा तो सामान तितर-बितर मिला और मकान में होल देखकर परिजनों के होश उड़ गया जब अपनी सामग्री की जांच किया तो घर में रखे जेवरात व 30,000 नगद अन्य कीमती कपड़े सहित चोरों ने पार कर दिया सूचना के अनुसार कड़ा पुलिस पहुंच कर मौके की जांच पड़ताल किया तो गांव के ही एक युवक को पुलिस ने अपने हिरासत में लेकर थाने ले गई जिससे पूछताछ करने के उपरांत युवक को थाने से हाला भला कर छोड़ दिया गया।

जेई जिलेदार का शिकायती पत्र उनके गले की बन गई फांस की हड्डी !

सरकारी नलकूप परिसर से यूकेलिप्टस के पेड़ बेच लिए जाने का मामला

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। करारी क्षेत्र के म्योहर स्थित सरकारी नलकूप परिसर में लगे यूकेलिप्टस के पेड़ को बेच दिए जाने के बाद विभाग के ऑपरेटर और जेई के बीच खींचतान शुरू हो गयी यूकेलिप्टस के पेड़ बेचने के मामले में प्रधान ने भी हिस्सा मांगना शुरू कर दिया जिससे मामला विभागीय अधिकारियों के संज्ञान में पहुंच गया विभागीय अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया जिस पर जेई ने अपने बचाव में पुलिस थाने में तहरीर देकर यूकेलिप्टस के पेड़ चोरी किए जाने का आरोप लगाया है पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है जांच में जिलेदार और जेई दोषी साबित हो रहे हैं अपने बचाव में दी गई शिकायती पत्र उनके गले की फांस बन चुकी है करारी थाना क्षेत्र के म्योहर गांव के जिस ब्यक्ति ने 40 हजार रुपए देकर यूकेलिप्टस का पेड़ खरीदा है वह भी जिलेदार और जेई के विरुद्ध खुलकर बयान बाजी करने को तैयार है मामले में पुलिस ने निष्पक्ष जांच की तो जल्द ही जेई और जिलेदार हवालात में होंगे शिकायती पत्र के मुताबिक विश्व बैक नलकूप सं0 - 30 एम0एन0 गडरियन का पूरा मजरा म्योहर मे लगे 9 पेड यूकेलिप्टस के वृक्ष को 40 हजार रू० नगद देकर नलकूप जेई० रमाकान्त सुहानी से म्योहर गांव के एक ब्यक्ति ने खरीद लिया था जिसमे से सात पेड यूकेलिप्टस को काट लिया गया है कय विक्रय का साक्ष्य जेई० व क्रेता द्वारा की गयी मोबाइल पर बात का वाइस रिकार्ड भी मौजूद है यूकेलिप्टस के बेचने की बात ग्राम प्रधान को मालूम पडी तो प्रधान द्वारा जेई० पर दबाव बनाया गया जिस दबाव मे जेई० प्रधान के दबाव में आ गए और अभियोग पंजीकृत करा कर अपने आप को निर्दोष साबित करने का प्रयास कर रहे है जिससे विभाग द्वारा जेई० रमाकान्त सुहानी के उपर किसी प्रकार की कार्यवाही न कर सके।

अलग अलग थानो से छः वारण्टी गिरफ्तार

कौशाम्बी। जिले में अलग अलग थानों द्वारा छः वारंटी अभियुक्तो को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है जानकरी के मुताबिक थाना करारी पुलिस बल द्वारा पांच वारण्टी अभियुक्त बच्चा लाल ननका नथनलाल व लौटन पुत्रगण रामेश्वर पासी निवासी चकहिगुई थाना करारी व विरेन्द्र कुमार उर्फ मृदुल पुत्र गौकरन निवासी गुवारा तैयनपुर थाना करारी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

इसी प्रकार थाना चरवा पुलिस बल द्वारा वारण्टी अभियुक्त नीरज मोर्य पुत्र बबलू मौर्य निवासी बरियावां थाना चरवा को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना करारी पुलिस बल द्वारा वाछित अभियुक्त अजीत कुमार मौर्य पुत्र राम प्रसाद निवासी फरीदनपुर समरो थाना करारी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

संपादकीय

समाज से जोड़ना भी हमारी जिम्मेदारी

रोज दुनिया में हजारों-लाखों बच्चे जन्म लेते हैं। बड़े होकर समाज का हिस्सा बनते हैं, अपने लायक कोई काम पकड़ते हैं। कॉम्पीटिशन बहुत है, नौकरी मिलना आसान नहीं। लेकिन एक ऐसा ग्रुप है, जिन्हें काम मिलना मुश्किल नहीं नामुमकिन जैसा है। वो ग्रुप जिन्हें हम डिसएबल्ड कहते हैं, जिनके शरीर या दिमाग में कुछ कमजोरी है। इसलिए ये सुनकर आश्चर्य हुआ कि अमेरिका की कॉफी शॉप चेन बिट?टी एंड बो के 350 एम्प्लायीज में से 90 प्रतिशत डिसएबल्ड हैं। इस कम्पनी के मालिक हैं एक पति-पत्नी, जिनके चार बच्चे हैं। उनमें से दो डाउन सिंड्रोम के साथ पैदा हुए। मां-बाप की एक ही चिंता थी कि आगे जाकर इन बच्चों का क्या होगा? तो एक मकसद से उन्होंने 2016 में पहली कॉफी शॉप खोली। एक से दो, दो से तीन, आज उनकी ग्यारह आउटलेट हैं। और अब वो मैकडॉनल्ड्स की तरह फ्रैंचाइजी भी दे रहे हैं। जहां भी बिट?टी एंड बो खुलता है, लोग उसकी प्रशंसा करते नहीं थकते। कि हमें तो मालूम ही नहीं था कि जिन्हें हम डिसएबल्ड मानते हैं, वो ऐसा रोल निभा सकते हैं। अब हम यहीं कॉफी पीना चाहेंगे, हमें देखकर अच्छा लगता है। और हां, ये बिजनेस प्रॉफिट कमाता है। ना ही इन्हें एट्रिशन की समस्या है- जो भी नौकरी लेता है, लम्बे समय तक टिकता है। आजकल ये किसी चमत्कार से कम नहीं। ट्रेनिंग जरूर देनी पड़ती है, मगर वो तो वैसे भी देनी पड़ती। एक तरह से इस एक्सपेरिमेंट ने साबित कर दिखाया कि जिन्हें हम अक्षम का लेबल देते हैं, वो सक्षम हो सकते हैं। इसी तरह डेनमार्क में स्पेशलस्टर्न नाम की आईटी कम्पनी है, जो सिर्फ एस्पर्जर सिंड्रोम से ग्रस्त लोगों को नौकरी देती है। ये एक ऐसी कंडीशन है, जिसमें आपकी आईक्यू तो हाई है, मगर आप अपने में खोए रहते हैं। सोशल स्किल्स ना के बराबर होने की वजह से नौकरी मिलना या रीटेन करना मुश्किल है। तो ऐसे लोगों के साथ कम्पनी फिर बनी कैसे? स्पेशलस्टर्न के मालिक भी एक ऐसे पिता हैं, जिनका बेटा एस्पर्जर सिंड्रोम के साथ पैदा हुआ। पिता आईटी सेक्टर में थे, उन्होंने ऑब्जर्व किया कि लड़का कंसंट्रेशन और डिटेल वाले काम बखूबी करता है। आईटी में जरूरी होती है सॉफ्टवेयर टेस्टिंग, जिसमें यही क्वालिटी चाहिए। और वो काम काफी रिपीटिटिव है, मगर एस्पर्जर सिंड्रोम वालों को वह सूट करता है। तीसरी कहानी, एक ऐसे नौजवान की जिसका डिसएबल्ड के साथ कोई पर्सनल कनेक्शन नहीं। लेकिन ध्रुव लाकरा को बहरों के लिए दिल में सहानुभूति थी। वो मानते थे कि ये सबसे इनविजिबल कंडीशन है, जिनके लिए कोई अपॉर्च्यूनिटी नहीं। ध्रुव ऑक्सफोर्ड से सोशल आंत्रप्रेन्योरशिप का कोर्स करने के बाद अपना कोई वेंचर खोलना चाहते थे। मगर आइडिया नहीं मिल रहा था। एक दिन घंटी बजी। दरवाजे पर कूरियर बॉय ने दस्तक दी थी। उन्होंने साइन किया और पैकेज ले लिया। तब दिमाग में बत्ती जली कि एक मिनट के इस इंटरेक्शन में कोई बातचीत नहीं हुई। ये एक ऐसा काम है, जो एक बहरा भी कर सकता है। इस इनसाइट के साथ उन्होंने खोली मिरेकल कूरियर नाम की कम्पनी, जो आज गरीब वर्ग के लगभग 50 लोगों को रोजगार देती है। क्योंकि आप एक सोशल कॉज से जुड़े हैं, इसका ये मतलब नहीं कि आप दान मांगने निकले हैं।

बड़ी-बड़ी कम्पनीज से कॉम्पीट करके ही मिरेकल कूरियर को बिजनेस मिलता है। इसलिए हमारा काम ए-वन होना चाहिए, यही ध्रुव का मानना है। बस मौका दीजिए, हम करके दिखाएंगे।

"भूदान आंदोलन" जिसने बदल दिया लाखों का जीवन

दीपक कुमार त्यागी

"आचार्य विनोबा भावे" के इस "भूदान आंदोलन" की न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में भी बहुत प्रशंसा हुई थी, लेकिन सोचने वाली बात यह है कि भूदान में मिली कुछ भूमि तो उस समय लोगों में बांट दी गयी थी, लेकिन बाकी बहुत सारी भूमि ऐसी है जिसकी अवैध रूप से बंदरबांट हुई है, सरकार को भूदान में मिली जमीनों की जांच करवाकर उससे अवैध कब्जे हटवाकर "आचार्य विनोबा भावे" को सच्ची श्रद्धांजलि देनी चाहिए। *"वैसे देखा जाये तो "आचार्य विनोबा भावे" का "भूदान आंदोलन" आजाद भारत में घटित एक ऐसा बेहद महत्वपूर्ण घटनाक्रम है

देश के प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाज को सकारात्मक नयी दिशा देने वाले सामाजिक योद्धा, प्रसिद्ध गांधीवादी नेता तथा महान संत "आचार्य विनोबा भावे" का नाम भारत के इतिहास में एक ऐसी महान शख्सियत के रूप में स्वर्णाक्षरों में हमेशा के लिए दर्ज है, जिनका देश व समाज हितकारी चिंतन, ओजस्वी व्यक्तित्व के प्रकाश पुंज से युगों-युगों तक देश व समाज का मार्गदर्शन होता रहेगा। एक सच्चे संत की तरह जीवन जीने वाले "आचार्य विनोबा भावे" एक प्रभावशाली व्यक्तित्व वाली ऐसी महान शख्सियत थे, जिन्होंने देश के आम व खास सभी वर्ग के लोगों को जीवनपर्यंत एक नजीर बनकर सिखाया की हमारे देश में भी राजनीति में आए बिना ही किस प्रकार से आम जनमानस की सेवा की जा सकती है, उन्होंने जीवन भर भारतीय राजनीति से ओछी राजनीति, सिद्धांतहीनता व अन्य प्रकार की सभी गंदगियों को दूर करने के लिए प्रयास किया थे। वैसे आज के समय की बात करें उनके जैसी शानदार शख्सियत का भारतीय राजनीति में मिलना ही असंभव है, लेकिन उस दौर में भी देश में उनके जैसे व्यक्तित्व वाली चंद ही शख्सियत रही हैं, जिनके लिए जीवनपर्यंत अपनी पूर्ण निष्ठाभाव से, सिद्धांतों के प्रति पूर्ण ईमानदारी व निस्वार्थ भाव से आम जनमानस की सेवा करना हर हाल व परिस्थिति में सर्वोपरी रहा हो और देश व समाज हित के लिए जिन्होंने अपना जीवन पूर्णतः निस्वार्थ भाव से समर्पित कर दिया हो। *"आचार्य विनोबा भावे" ने महात्मा गांधी से प्रेरित हो कर देश में व्याप्त विभिन्न प्रकार की सामाजिक बुराइयों जैसे कि असमानता और गरीबी आदि को खत्म करने के लिए जीवनपर्यंत निरंतर अथक प्रयास किये थे। वह समाज के दबे-कुचले वर्ग के लोगों के अधिकारों के लिए काम करते थे। उन्होंने देशवासियों के बीच सर्वोदय शब्द को उछाला जिसका मतलब था "सबका विकास"। इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए उन्होंने सर्वोदय आंदोलन के तहत कई कार्यक्रमों को लागू करने का कार्य किया था जिन कार्यक्रम में से एक "भूदान आंदोलन" भी था।" देश की महान शख्सियत "आचार्य विनोबा भावे" के द्वारा 18 अप्रैल 1951 को चलाया गया एक वैचारिक आंदोलन जो कि "भूदान आंदोलन" के नाम से भारतीय इतिहास में दर्ज है, यह एक ऐसा बहुत बड़ा व धरातल पर पूर्णतः सफल वैचारिक आंदोलन है, जिसने देश के लाखों लोगों में यह भाव जगाने का कार्य किया की भूमि व देश के सभी प्रकार के प्राकृतिक संसाधनों पर समाज के हर वर्ग के लोगों का समान रूप से पूरा हक है। उन्होंने अपने जीवन काल में लाखों भूमिहीन परिवारों को "भूदान आंदोलन" के माध्यम से भूमि दिलवाने का कार्य सफलतापूर्वक किया था। "देश के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज इस "भूदान आंदोलन" की शुरूआत 18 अप्रैल 1951 में तत्कालीन आंध्र प्रदेश राज्य (फिलहाल तेलंगाना राज्य) के नलगोंडा जिले के पोचमपल्ली गाँव से हुई थी। हिंसाग्रस्त यह क्षेत्र कम्यूनिस्ट चरमपंथियों का गढ़ माना जाता था, इस गाँव में चार हत्याएं हो चुके थी और आस-पास के गाँवों को मिलाकर दो वर्ष के अंदर इस इलाके में 22 हत्याएं हो चुकी थीं। इस गाँव में पहुंचने के बाद "आचार्य विनोबा भावे" जब हरिजनों की बस्ती में पहुंचे तो एक-एक घर में जाकर उन्होंने अपनी आंखों से वहां के लोगों की हालत को देखा, उस क्षेत्र के गरीब हरिजनों ने उन्हें अपना दुःख सुनाते हुए कहा कि "हम बहुत गरीब हैं आप हमें थोड़ी जमीन दिलाइये, उस पर मेहनत करके हम अपना पेट भर सकेंगे।" "आचार्य विनोबा भावे" ने जब उनसे पूछा कि आपको कितनी जमीन चाहिए, तो गरीब हरिजनों ने आचार्य से कहा कि हमारे 40 परिवार हैं हमें 80 एकड़ जमीन भी मिल जाए, तो हमारे परिवारों के सम्मानजनक जीवन-यापन के लिए यह बहुत है। "आचार्य विनोबा भावे" ने उनसे कहा कि वह सरकार से बात करके उन्हें जमीन दिलाने की कोशिश करेंगे, लेकिन आचार्य स्वयं अपने इस आश्वासन से संतुष्ट नहीं थे, वह सरकारों के काम करने के ढुलमुल रवैए को अच्छी तरह से जानते थे। उन्होंने समस्या के निदान के लिए गाँव के जमींदारों से अपील करते हुए कहा कि क्या आप में से कुछ लोग ऐसे हैं, जो कि इन गरीब हरिजन भाइयों की मदद कर सकें? अगर इन्हें जमीन मिल जाए तो यह लोग उस पर मेहनत करने के लिए तैयार हैं। "आचार्य विनोबा भावे" की इस अपील पर रामचन्द्र रेड्डी नाम के एक भाई सामने आए और बोले कि मेरे पिताजी चाहते थे कि हमारी 200 एकड़ जमीन में से आधी जमीन कुछ सुपात्र लोगों में बांट दी जाए, कृपा कर मेरी 100 एकड़ जमीन का दान आप स्वीकार कीजिए, यह सुनकर "आचार्य विनोबा भावे" की आंखों से आंसू की अविरल धारा बह निकली, हालांकि जिसने भी इस बात को सुना उन लोगों को अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ, तो रामचन्द्र रेड्डी ने तुरंत ही लिखकर दे दिया कि मैं 100 एकड़ जमीन गरीब हरिजनों को दान में देता हूं। इस ऐतिहासिक घटना से भारत के त्याग और अहिंसा के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया। यहीं से "आचार्य विनोबा भावे" का भूदान आंदोलन शुरू हो गया। हालांकि यह आंदोलन 13 वर्षों तक निरंतर चलता रहा और इस ने सफलता के नये आयाम स्थापित करें। इस आंदोलन के दौरान "आचार्य विनोबा भावे" ने पूरे देश का भ्रमण किया। उन्होंने 58,741 किलोमीटर का सफर देश के विभिन्न हिस्सों में तय किया और इस "भूदान आंदोलन" के माध्यम से वह गरीबों के लिए 44 लाख एकड़ भूमि दान के रूप में जमींदारों से हासिल करने में सफल रहे, उनको जमींदारों से भूदान के रूप से ग्राम के ग्राम मिले थे। जिन जमीनों में से 13 लाख एक-ड़ जमीन को भूमिहीन किसानों के बीच बांट दिया गया था। "आचार्य विनोबा भावे" के इस "भूदान आंदोलन" की न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में भी बहुत प्रशंसा हुई थी, लेकिन सोचने वाली बात यह है कि भूदान में मिली कुछ भूमि तो उस समय लोगों में बांट दी गयी थी, लेकिन बाकी बहुत सारी भूमि ऐसी है जिसकी अवैध रूप से बंदरबांट हुई है, सरकार को भूदान में मिली जमीनों की जांच करवाकर उससे अवैध कब्जे हटवाकर "आचार्य विनोबा भावे" को सच्ची श्रद्धांजलि देनी चाहिए। *"वैसे देखा जाये तो "आचार्य विनोबा भावे" का "भूदान आंदोलन" आजाद भारत में घटित एक ऐसा बेहद महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, जिसने देश के करोड़ों लोगों के जीवन के स्तर को पूर्णतः बदलने का कार्य बेहद सफलतापूर्वक किया था।" उनके इस आंदोलन ने भूमिहीनों को भूमि दिलवा कर उनके जीवन को बेहद सरल बनाने का कार्य किया था। 15 नवंबर 1982 को "आचार्य विनोबा भावे" का निधन हो गया था और उन्हें वर्ष 1983 में मरणोपरांत देश के सर्वोच्च सम्मान "भारत रत्न" से सम्मानित किया गया था। हालांकि देश में आज जिस तरह की जाति व धार्मिक आधारित राजनीतिक अतिवाद का माहौल व्याप्त है।

उस स्थिति में "आचार्य विनोबा भावे" के ओजस्वी व्यक्तित्व से युवा राजनेताओं को अवश्य सीखना चाहिए, लेकिन अफसोस आज उनके ओजस्वी विचारों व "भूदान आंदोलन" जैसे वैचारिक आंदोलनों का देश में जिक्र तक नहीं होता है, यह स्थिति बहुत सारे देशभक्त लोगों के दुःख पहुंचाने का कार्य करता है और समाज के बहुत सारे लोगों को प्रेरणा स्रोत व्यक्तित्व मिलने के एक श्रेष्ठ अवसर से वंचित करने का कार्य करती है।

विरासत हमें सचमुच बताती हैं कि हम कौन हैं

सत्यवान 'सौरभ'

विरासत हमारे दैनिक जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह हमारे परिवर्तन की यात्रा का प्रमाण है। हम अपनी समृद्ध विरासत से जुड़कर अपने भविष्य पर अधिक प्रभाव प्राप्त करने के लिए अपने अतीत से सीखते हैं। विरासत का संरक्षण विभिन्न पहलुओं की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।सांस्कृतिक विरासत भौतिक विज्ञान की कलाकृतियों और एक समूह या समाज की अमूर्त विशेषताओं की विरासत है जो पिछली पीढ़ियों से विरासत में मिली है, वर्तमान में बनाए रखी गई है और भविष्य की पीढ़ियों के लाभ के लिए प्रदान की गई है। सांस्कृतिक विरासत एक समुदाय द्वारा विकसित जीवन जीने के तरीकों की अभिव्यक्ति है और एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक चली जाती है जिसमें रीति-रिवाजों, प्रथाओं, वस्तुओं, कलात्मक अभिव्यक्तियों, मूल्यों आदि को शामिल किया जाता हैं। भारत में विरासत की विविधता और विविधता विभिन्न समुदायों के बीच मौजूद संबंधों की प्रकृति को दशार्ती है। उन्होंने एक दूसरे से उधार लिया, जैसे उत्तरी और दक्षिणी भारत की मंदिर वास्तुकला। समुदायों की पहचान भी बहुत गतिशील रही है और विचारों का आदान-प्रदान सुचारू था। यह हमारी विरासत से पता चलता है। यह यह भी दशार्ता है कि मानव सभ्यता पर मनुष्य के बीच संघर्षों का कितना कठोर प्रभाव पड़ता है। हमारे समाज की कमियों को समय-समय पर चुनौती दी गई, चाहे वह छठी शताब्दी ईसा पूर्व में बौद्ध धर्म के उदय के दौरान हो या मध्यकाल में भक्ति आंदोलन के दौरान। हड़प्पा सभ्यता के दौरान वैवाहिक समाज के अस्तित्व, वैदिक युग से वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा, अशोक के धम्म के तहत बड़ों के लिए सम्मान आदि के साथ एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डाला गया है। यह नैतिकता और नैतिकता की संस्कृति को विकसित करने में मदद करता है। इस विरासत को संरक्षित करने के प्रयासों से हमें अपनी सांस्कृतिक परंपरा को मजबूत करने में मदद मिलती है जिससे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के लिए सॉफ्ट पावर का निर्माण होता है। नालंदा विश्वविद्यालय को पुनर्जीवित करने के प्रयास और अन्य देशों, विशेष रूप से दक्षिण एशियाई देशों से प्राप्त समर्थन हमारी समृद्ध शैक्षिक विरासत को दशार्ता है। यह एक प्रेरणा है कि कैसे भारत दुनिया भर के विद्वानों का केंद्र बन सकता है। यदि गुरु-शिष्य परम्परा (परंपरा) को मजबूत किया जाता है तो हमें स्कूलों में विशेष रूप से सार्वजनिक स्कूलों में शिक्षा की खराब गुणवत्ता के मुद्दों को हल करने में मदद मिल सकती है। आध्यात्मिक एक भावनात्मक भावना (भाव) जो शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शन को देखने और शास्त्रीय गीतों को सुनने के दौरान हमारे बीच उभरती है; अजंता, एलोरा की गुफाओं में चित्र हमारी समृद्ध विरासत के सौंदर्य पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं। रामायण और गीता की शिक्षाएं जो ईमानदारी, अखंडता जैसे मूल्यों पर जोर देती हैं; युवाओं को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करने वाले स्वामी विवेकानंद के पाठ, गांधी के अहिंसा के सुसमाचार आदि हमें मूल्य-आधारित जीवन जीने के लिए प्रेरित करते हैं। स्कूलों, कॉलेजों में पाठ्यपुस्तकों के माध्यम से इस परंपरा को संरक्षित करने से प्रेरित रहने की भावना पैदा होती है। खिलजी काल के दौरान बाजार में सुधार, अर्थशास्त्र में उजागर आर्थिक प्रशासनिक प्रणाली, भारत और अन्य देशों के बीच विशाल व्यापार, विशेष रूप से पश्चिम एशिया और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों आदि के साथ-साथ हम्पी जैसे ऐतिहासिक स्थानों से जुड़े पर्यटन क्षेत्र यह दशार्ता है कि स्मारकों की विरासत को कैसे संरक्षित किया जाता है और परंपराओं से हमारी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल सकता है। इस प्रकार, हमारी विरासत के महत्व को देखते हुए इसे समन्वित तरीके से संरक्षित करने की आवश्यकता है। सरकार और नागरिकों को समान रूप से जिम्मेदारी वहन करनी चाहिए। गंभीर प्रयास किए जाने चाहिए। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तहत ऐतिहासिक स्मारकों के संरक्षण और संरक्षण जैसे संस्थान इस संबंध में बहुत कुछ नहीं कर रहे हैं।

इसके अलावा विरासत की सुरक्षा आँख बंद करके नहीं की जानी चाहिए क्योंकि अस्पृश्यता प्रणाली, देवदासी प्रणाली जैसी कई भ्रांतियां रही हैं जिनका आधुनिक समाज में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। इसे नरम कूटनीति के एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

अभिव्यक्ति

रीटेलर्स के पास ग्राहकों की मदद करने के लिए योग्य सेल्समेन होने चाहिए

एन. रघुरामन

फंडा यह है कि रीटेलर्स के पास ग्राहकों की मदद करने के लिए योग्य सेल्समेन होने चाहिए, जो सही उत्पाद चुनने में उनकी मदद कर सकें। किसी खरीदे गए उत्पाद का उपयोग नहीं करना उसके रॉ मटैरियल के प्रति और इसीलिए प्रकृति के साथ भी एक हिंसा है

इंदौर में अर्बन नीड्स नाम की एक दुकान है। दो सप्ताह पहले एक स्कूल के इवेंट में शामिल होने से पहले मैं वहां डिओडोरैंट खरीदने गया। वहां ऐसे बहुत ब्रांड्स थे, जिनके बारे में मुझे पता नहीं था। मैंने एक टेस्टर के बारे में पूछा तो वहां मौजूद एक युवा शॉपकीपर ने हंसते हुए कहा, आप किस दुनिया में हैं? आजकल कोई कम्पनी सैम्पल्स नहीं देती है। मैं चकित हुआ क्योंकि बड़े ब्रांड्स कभी ऐसा नहीं करते हैं। जब मैं उन अज्ञात ब्रांड्स में से किसी एक को चुनने का प्रयास कर रहा था तो सेल्समैन मेरे साथ-साथ चलने लगा, मदद के लिए नहीं बल्कि नजर रखने के लिए। मैंने उससे कहा कि अगर मुझे किसी डिओडोरैंट की गंध पसंद नहीं आई तो? उसने जवाब दिया, ये आपकी समस्या है, मैं इसमें कोई मदद नहीं कर सकता। मुझे उसका व्यवहार अच्छा नहीं लगा, फिर भी मैंने उसे 250 रु. दिए और एक प्रोडक्ट खरीद लिया। मैंने उसे खोला और जैसी की उम्मीद थी मुझे उसकी गंध अच्छी नहीं लगी। मैंने उसे शॉपकीपर को दे दिया और कहा कि इसे वह अगले ग्राहकों के लिए टेस्टर के रूप में उपयोग कर सकता है। वह तुरंत राजी हो गया। उसके चेहरे पर गिल्ट का नामोनिशान तक नहीं था।

जब मैं दुकान से बाहर निकल रहा था तो मेरे भीतर से आवाज आई कि इस व्यक्ति पर भरोसा मत करो, वह इस यूज्ड प्रोडक्ट को भी किसी को बेच देगा। मैं लौटा, डिओडोरैंट उठाया और उसे मेरे दोस्त को दे दिया, ताकि अगर उनकी कार में कोई बदबू हो तो वे उसे उसमें स्प्रे कर सकें। शनिवार को मुझे इस घटना की याद हो आई, जब मैं लोअर परेल, मुम्बई के फीनिक्स पैलेडियम शॉपिंग मॉल में अपनी बेटी के साथ उसके जन्मदिन के लिए खरीदारी कर रहा था। मैंने देखा कि जारा से लेकर मार्क्स एंड स्पेंसर तक सर्वश्रेष्ठ ब्रांड्स ने कर्मचारियों की संख्या में कटौती कर दी है, जो शॉपिंग करने वालों की मदद करें। बड़े स्टोर्स में ऐसा कोई नहीं था, जिससे बातें की जा सकें। ग्राहक खुद ही तय करते हैं कि उन्हें क्या खरीदना है। फैशन इंडस्ट्री की नई चीजों के बारे में बताने या समझाने वाला वहां कोई नहीं होता है। और जो लोग वहां मौजूद होते हैं, वो ठीक से कोई भाषा तक बोल नहीं पाते, अपने एटिट्यूड में फैशनेबल होने की बात तो रहने ही दें। संक्षेप में, आज रीटेल खरीदारी का अनुभव बहुत हताश करने वाला हो गया है। दिलचस्प बात यह है कि इन ब्रांडेड शॉप्स में ऐसे लोगों की लम्बी कतार थी, जो पहले खरीदा गया कोई सामान या तो लौटाना चाहते थे या उसके बदले में कुछ और लेना चाहते थे। इसका मतलब है कि उनमें से अधिकतर ने किसी योग्य सेल्सपर्सन की मदद के बिना कोई गलत प्रोडक्ट खरीद लिया था। कुछ बनाने के लिए किसी और चीज की कुबार्नी देना होती है, यह प्रकृति का नियम है। एक परफ्यूम या कपड़ा बनाने के लिए कपास से लेकर ऊर्जा तक की कुबार्नी देना होती है, जिसे कारोबारी निवेश करना कहते हैं। और अगर वह बेकार चली जाए, जैसा कि उस डिओडोरैंट के मामले में हुआ था, तो यह उन उत्पादों के साथ घोर हिंसा है। जब आप एक कप कॉफी बर्बाद करते हैं तो आप कॉफी के बीजों, उनका पावडर बनाने में लगी ऊर्जा, दूध, दूध को गर्म करने में लगी ऊर्जा, शकर, उसे घर तक लाने वाले प्लास्टिक बैग, आपके कप को धोने वाले साबुन और उसे पोंछने वाले कपड़े, इन सबके प्रति हिंसक होते हैं।

फंडा यह है कि रीटेलर्स के पास ग्राहकों की मदद करने के लिए योग्य सेल्समेन होने चाहिए, जो सही उत्पाद चुनने में उनकी मदद कर सकें। किसी खरीदे गए उत्पाद का उपयोग नहीं करना उसके रॉ मटैरियल के प्रति और इसीलिए प्रकृति के साथ भी एक हिंसा है।

बिजली संकट और कोयले का विकल्प

प्रेम

देश में बिजली का संकट कोई नही बात नही ऐसा प्रतिवर्ष होता है। आबादी के हिसाब से जिस तरीके से सिर्फ भारत कोयले के भरोसे बिजली आपूर्ति पर निर्भर है, वही बिजली संकट का मुख्य कारण है। ऐसे में बिजली उत्पादन के लिए कोयले के विकल्प की जरूरत है। कोयले पर 32 प्रतिशत की निर्भरता का जो लक्ष्य 2030 का लिया गया है उसे 2025 में पूरा होना चाहिए। सामान्यतः हर देश में 7 तरीकों से बिजली का उत्पादन होता है। सबसे ज्यादा थर्मल यानी कोयले से बिजली बनाई जाती है। भारत में 70 प्रतिशत बिजली का उत्पादन कोयले से ही होता है। भारत में कोयले पर अत्याधिक निर्भरता के कारण है प्रतिवर्ष भीषण गर्मी के दौरान बिजली संकट का सामना करना पड़ता है। अन्य माध्यमों से जैसे जल विद्युत (हाइड्रा पावर), परमाणु ऊर्जा (न्यूक्लियर पावर) और ऊर्जा के नवीनीकरण स्त्रोत से बिजली का भारत में उत्पादन नाम मात्र का हो रहा है। कोयला संकट के चलते प्रतिवर्ष होने वाली किल्लत के दौरान कोयले के विकल्प की बॉत जोर शोर से शुरू होती है लेकिन बिजली संकट से जुझने और उबरने के बाद पुनः इस महत्वपूर्ण मसले पर विराम लग जाता है। हर वर्ष कोयले की कमी के कोई न कोई कारण सामने आते है, पिछली बार कोरोना इसका कारण बना तो इस बार यूक्रेन रूस यृद्ध से कोयले की आपूर्ति प्रभावित हुई। हालाकि कोयले के संकट से देश पिछले छह माह से जुझ रहा है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, झारखण्ड, राजस्थाना का बड़ा हिस्सा कोयले की कमी से जुझ रहा है इसका सीधा असर बिजली उत्पादन पर पड़ रहा है। भारत सरकार इस बॉत को जान चुकी है कि कोयले से बिजली उत्पादन 52 से 32 प्रतिशत तक लाने पर कुछ सुधार सम्भव है। लेकिन सरकार ने अन्य विकल्पों से बिजली उत्पादन को बढ़ाने में उत्साहित निर्णय अब तक नही लिये है परिणाम स्वरूप वह इस उत्पादन को 32 प्रतिशत तक ले जाने के लिए वर्ष 2030 का लक्ष्य लेकर चल रही है। वर्तमान में बिजली की कमी का जो संकट सामने है उसके जो मुख्य कारण है उनमें कोयले का स्टाक रखने की जो समय सीमा कम की गई। पहले 15 दिन का स्टाक रिजर्व रखा जाता था जो अब 9 दिन कर दिया गया। मांग के सापेक्ष आपूर्ति कम, रूस यूक्रेन युद्ध के कारण कोयले के दामों में बढ़ोत्तरी वह भी 150 डॉलर प्रति टन से सीधे 400 डॉलर पहुंचना। पिछले दस दिनों में ही भीषण गर्मी के बीच देशभर में बिजली संकट और गहराने के कगार पर है। यूपी, महाराष्ट्र, पंजाब समेत दस राज्यों में कोयले की भारी किल्लत हो गई है। इस बीच, बिजली की बढ़ती मांग और कोयले की कमी के कारण कटौती बढ़ गई है। महाराष्ट्र में कई साल बाद अनिवार्य बिजली कटौती की स्थिति बन गई है। गर्मी शुरू होने के साथ ही देश के बिजली संयंत्रों में कोयला भंडार नौ साल के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। कोरोना लॉकडाउन के बाद पटरी पर लौट रही औद्योगिक गतिविधियों के चलते फैक्टरियों और उद्योगों में बिजली की खपत बढ़ी है। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ेगी, बिजली की मांग तेजी से चढ़ेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर एवं मध्य भारत के अधिकतर इलाके में अप्रैल में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने वाला है। ऐसे में बिजली की मांग बढ़ना तय है। देश के कई हिस्सों में तो बिजली की कटौती शुरू हो चुकी है।देश के प्रमुख औद्योगिक गढ़ महाराष्ट्र में कई वर्षों बाद इतना बड़ा बिजली संकट खड़ा हुआ है। यहां मांग के मुकाबले 2500 मेगावाट बिजली कम है। प्रदेश में रिकॉर्ड 28000 मेगावाट की मांग है, जो पिछले साल के मुकाबले 4000 मेगावाट अधिक है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, झारखंड, बिहार, हरियाणा और उत्तराखंड में मांग के मुकाबले तीन-तीन फीसदी कम बिजली उपलब्ध है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह बताते है कि आंध्र प्रदेश, राजस्थान व तमिलनाडु में बिजली की कमी हुई है। तमिलनाडु के ज्यादातर प्लांट आयातित कोयले पर निर्भर थे और आंध्र प्रदेश का भी ये ही है।

छोटी लड़ाइयां बड़े युद्धों में तब्दील हो जाती हैं

थॉमस

अब जब व्लादीमीर पुतिन अपने प्लान-बी पर अमल कर चुके हैं यानी एक बड़े सैन्य अभियान के जरिए पूर्वी यूक्रेन के एक छोटे-से हिस्से पर कब्जा कर लेना, ताकि इस गैरजायज युद्ध को न्यायोचित ठहरा सकें तो मैं सोचने लगा कि इस व्यक्ति को कौन सबसे अच्छी सलाह दे सकता है? जब मैंने अमेरिका के श्रेष्ठ रणनीतिकार और रक्षा-मामलों के विशेषज्ञ जॉन अकीर्ला से सम्पर्क किया और इस पर उनकी राय जानना चाही तो उन्होंने बिना किसी झिझक के कहा, मैं पुतिन को एक ही मशविरा देना चाहूंगा- अब तो युद्ध रोक दीजिए, महाशय। वैसे भी यह बुनियादी नियम है कि जब आप किसी गड्ढे में गिर गए हों तो कम से कम एक काम तो बिलकुल ना करें और वह है उस गड्ढे को और गहरा खोदते चले जाना। 6 जून 1944 को नोरमैंडी में डी-डे लैंडिंग के बाद जब यह स्पष्ट हो गया कि जर्मन टुकड़ियां मित्रराष्ट्रों को रोक नहीं सकेंगी तो जर्मन कमांडर ने बर्लिन में सेना प्रमुख जनरल विल्हेल्म कीटेल को फोन लगाया। जनरल ने पूछा- अब हम क्या करेंगे? जिस पर कमांडर ने जवाब दिया- अक्ल के दुश्मन, अब हमारे पास सुलह करने के अलावा चारा ही क्या है? अगले ही दिन कमांडर को पद से हटा दिया गया। पुतिन ने भी यही किया है। उन्होंने युद्ध के दूसरे चरण के लिए एक नए सीनियर जनरल को नियुक्त किया है, जिसने सीरिया में विरोधियों को क्रूरता से कुचल दिया था। इतिहास का सबक यह है कि जर्मनों को अपने कमांडर को हटाने का खामियाजा भुगतना पड़ा था। पुतिन को भी दूसरे चरण में कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है। जॉन अकीर्ला ने अपनी नई किताब बिट्जक्रीगः द न्यू चैलेंज ऑफ साइबरवॉरफेयर में युद्ध के कुछ नए तरीकों के बारे में बताया है और यूक्रेनी उन्हीं का पालन कर रहे हैं। यूक्रेनी स्क्वाड-स्तर की यूनिट्स संचालित कर रहे हैं, जिनके पास स्मार्ट वेपन्स हैं।

बस तेरा नाम दोहराए... गीत पर सारा तेंदुलकर ने शेयर की वीडियो

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर जहां आईपीएल में मुंबई इंडियंस की दयनीय हालत को लेकर मंथन में डूबे हुए हैं वहीं

दूसरी ओर उनकी बेटी सारा तेंदुलकर अपनी दिलकश अंदाज से सबको प्रभावित कर रही है। सारा सोशल मीडिया पर लगातार एक्टिव रहती है। इसी बीच उन्होंने इंस्टा. स्टोरी पर एक वीडियो शेयर की है जिसमें वह बस तेरा नाम दोहराए... गीत पर दिलकश अंदाज दिखाती हुई नजर आ रही हैं। सारा इस दौरान सफेद रंग ड्रेस पहने दिख रही है जिसके बैकग्राऊंड म्यूजिक में बॉलीवुड सिंगर अरिजीत सिंह का 'गाना मत मस्त मगन...बस तेरा नाम दोहराए...' गाना चल रहा है। सारा तेंदुलकर लगातार सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। बीते महीने उन्होंने इंस्टाग्राम पर सफेद फूलों के साथ मस्ती करते की दो फोटोज शेयर की थी। फैंस ने इन्हें काफी पसंद किया और इसे करीब छह लाख लाइक मिले थे। इससे कुछ दिन पहले ही सारा ने रैड ड्रैस में अपनी फोटोज शेयर की थी जिसपर छह लाख से ज्यादा लाइक आए थे। फैंस ने सारा की इन फोटोज को खूब पसंद किया था। बता दें कि सारा मॉडलिंग जगत में भी कदम रख चुकी हैं। बीते दिनों उन्होंने अपनी सहेलियों के साथ एक क्लोथिंग ब्रॉन्ड के लिए मॉडलिंग की थी। इस दौरान सारा की लुक को बेहद पसंद किया गया था।

केएल राहुल पर लगा जुर्माना, मुंबई खिलाफ इस नियम का किया उल्लंघन

मुंबई। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान लोकेश राहुल पर यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। राहुल ने अपने 100 वें आईपीएल मैच में शानदार शतक लगाकर टीम को 18 रन से जीत दिलाने में अहम योगदान दिया। आईपीएल से जारी बयान के मुताबिक कि लखनऊ सुपर जायंट्स पर शनिवार को मुंबई के ब्रेबॉर्न स्टेडियम में मुंबई इंडियन्स के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 मैच (संख्या) 26 के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के बाद जुर्माना लगाया गया है। यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत न्यूनतम ओवर गति के अपराधों से जुड़ा टीम का पहला मामला है इसलिए कप्तान लोकेश राहुल पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

विराट कोहली ने पकड़ा एक हाथ से गजब का कैच, पत्नी अनुष्का शर्मा भी हो गई हैरान

पुणे। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाड़ी विराट कोहली कोहली भले ही बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए। पर उन्होंने फिल्डिंग के दौरान शानदार कैच पकड़ स्टेडियम में मौजूद और सोशल मीडिया पर खूब तारीफें बटोरी। विराट ने दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत की शॉट पर एक हाथ से कैच पकड़ा कर सभी को हैरान कर दिया।दरअसल बेंगलुरु के लिए 17वां ओवर फेंकने आए मोहम्मद सिराज की दूसरी गेंद पर ऋषभ पंत ने छक्का जड़ दिया। अगली गेंद पर भी बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में पंत ने हवाई शॉट खेला। पर इस शॉट के बीच में विराट कोहली आ गए और उन्होंने एक हाथ से छलांग लगाते हुए कमाल का कैच पकड़ लिया। इस कैच के बाद स्टेडियम में सभी दर्शक विराट कोहली का नाम चिल्लाने लगे। विराट कोहली की पत्नी अनुष्का शर्मा भी यह मैच देखने के लिए मैदान में पहुंची हुई थी। शानदार कैच पकड़ने के बाद विराट कोहली ने पत्नी अनुष्का की तरफ इशारा भी किया। इसकी फोटो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। इस फोटो में विराट अनुष्का को देखते हुए कैच उन्हें समर्पित करते हुए दिख रहे हैं। गौर हो कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स की टीम को 16 रन से हरा दिया है।

बेंगलुरु ने जीता मैच, दिल्ली को 16 रन से हराया

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच आईपीएल 2022 का 27वां मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीत लिया है और पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। पहले बल्लेबाजी के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम ने मैक्सवेल और दिनेश कार्तिक की अर्धशतकीय पारी के बदौलत दिल्ली के सामने 190 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने आई दिल्ली की टीम को सलामी बल्लेबाजों ने अच्छी शुरूआत दी। पर टीम का मध्यक्रम मिली शुरूआत को भुना ना पाया और पूरी टीम 7 विकेट के नुकसान पर 173 रन ही बना पाई। बेंगलुरु की टीम ने यह मैच 16 रन से अपने नाम कर लिया।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (पहली पारी)

पहले बल्लेबाजी के लिए आई बेंगलुरु की शुरूआत अच्छी नहीं रही और टीम को दूसरे ही ओवर में अनुज रावत के रूप में अपना पहला विकेट गंवाना पड़ा। रावत शून्य को शार्दुल ठाकुर ने पवेलियन भेजा।

बेंगलुरु के कप्तान फाफ डुप्लेसिस को आउट करके खलील अहमद ने दिल्ली की टीम को बड़ी सफलता दिलाई। डुप्लेसिस 8 रन बनाकर आउट हुए। ललित यादव की शानदार थ्रो पर विराट कोहली रन आउट हो गए। विराट ने 14 गेंदों पर 12 रन बनाए। दिल्ली कैपिटल्स को चौथी सफलता अक्षर पटेल ने दिलाई। अक्षर ने सुर्यश को 6 रन पर आउट करके पवेलियन भेजा।

एक छोर से अच्छी बल्लेबाजी कर रहे ग्लेन मैक्सवेल अर्धशतक बनाकर कुलदीप यादव का

शिकार बने। मैक्सवेल ने 34 गेंदों पर 7 चौके और 2 छक्के की मदद से 55 रन बनाए। मैक्सवेल के आउट होने के बाद दिनेश कार्तिक और शहबाज के बीच बड़ी अर्धशतकीय साझेदारी हुई। इस साझेदारी ने बेंगलुरु के स्कोर 189 रन तक पहुंचाया। दिनेश कार्तिक ने नाबाद 34 गेंदों पर 5 चौके और 5 छक्के की मदद से 66 रन बनाए। तो वहीं शहबाज ने 20 गेंदों पर 3 चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन की नाबाद पारी खेली।

यह भी पढ़ें– मुंबई इंडियंस ही नहीं ये टीमें भी हार चुकी हैं अपने पहले 6 मैच, देखें आंकड़े

दिल्ली कैपिटल्स (दूसरी पारी)

लक्ष्य का पीछा करने आई दिल्ली कैपिटल्स को सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ और डेविड वार्नर ने अच्छी शुरूआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 50 रन जोड़े। इस सलामी जोड़ी को तोड़ने का काम मोहम्मद सिराज ने किया। सिराज ने शॉ को 16 रन पर आउट किया।

वानिंदु हसरंगा ने अर्धशतक बनाकर खेल रहे डेविड वार्नर को आउट कर अपनी टीम को बड़ी सफलता दिलाई। वार्नर ने 38 गेंदों पर 4 चौके और 5 छक्के की मदद से 66 रन बनाए।

धीमी पारी खेल रहे मिचेल मार्श रन आउट हो गए। उन्होंने 24 गेंदों पर 14 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए रोवमैन पॉवेल को हेजलवुड ने शून्य पर आउट करके टीम को चौथी सफलता दिलाई।

हेजलवुड ने ललित यादव को एक रन पर आउट करके दिल्ली की आधी टीम को पवेलियन लौटा दिया। इसके बाद खतरनाक दिख रहे दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत को सिराज ने विराट के हाथों कैच आउट करवाकर टीम को बड़ी सफलता दिलाई। पंत 17 गेंदों पर 34 रन बनाकर आउट हुए।

शार्दुल ठाकुर को 17 रन पर आउट करके हेजलवुड ने उन्हें अपना तीसरा शिकार बनाया।

आईपीएल इतिहास में मुंबई का सबसे खराब प्रदर्शन

पहली बार शुरुआती छह मैच हारी, लखनऊ 18 रन से जीता

पुणे। लखनऊ सुपरजाएंट्स ने आईपीएल 2022 के 26वें मैच में मुंबई इंडियंस को 18 रन से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ सुपरजाएंट्स ने 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 199 रन बनाए। लखनऊ के कप्तान केएल राहुल ने 103 रन की नाबाद पारी खेली। 200 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की टीम 20 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 181 रन ही बना सकी। मुंबई की ओर से सबसे ज्यादा रन सूर्यकुमार यादव ने बनाए। उन्होंने 27 गेंदों पर 37 रन बनाए। लखनऊ की ओर से आवेश खान ने तीन विकेट झटके।

आखिरी दो ओवर में मुंबई को जीत के लिए 43 रन की जरूरत थी। 19वें ओवर में जेसन होल्डर के ओवर में मुंबई ने 17

रन बटोरे। आखिरी छह गेंदों पर मुंबई को 26 रन की जरूरत थी। आखिरी ओवर की पहली गेंद जयदेव उनादकट रन आउट हुए। वे छह गेंदों पर दो चौके और एक छक्के की मदद से 14 रन बना सके। इसके बाद मुरुगन अश्विन ने दूसरी गेंद पर छक्का लगाया। तीसरी गेंद पर अश्विन (6) रन आउट हो गए। पांचवीं गेंद पर चमीरा ने पोलार्ड को स्टोइनिस के हाथों कैच कराया। वे 14 गेंदों पर 25 रन बना सके। आखिरी ओवर में मुंबई की टीम सात रन बना सकी।

यह मुंबई की इस सीजन में लगातार छठी हार है। आईपीएल इतिहास में पहली बार टीम शुरुआती लगातार छह मैच हारी है। इससे पहले 2014 में टीम शुरुआती लगातार पांच मैच हारी थी। इस हार के साथ मुंबई पर प्लेऑफ की रेस से बाहर होने का खतरा मंडराने लगा है। टीम को अब यहां से सभी मैच जीतने होंगे। इसके साथ ही दूसरी टीमों के नतीजे पर भी निर्भर रहना होगा।

रोनाल्डो की क्लब फुटबॉल में 50वीं हैट्रिक, युवराज ने की तारीफ

लंदन। चैम्पियंस लीग में जगह बनाने की दौड़ में आर्सेनल और टोटेनहम के लिए हार का फायदा उठाने के लिए मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो काम आए हैं। उनकी हैट्रिक की बदौलत टीम ने नॉर्विच पर 3-2 से जीत दर्ज की है। रोनाल्डो के यह क्लब करियर की 50वीं हैट्रिक है। खेल शुरू होने से पहले ही प्रशंसकों के बीच अशांति थी क्योंकि क्लब के 17 साल के ग्लेजर परिवार के स्वामित्व के विरोध में 17वें मिनट तक स्टेडियम में ज्यादातर लोग नहीं आए थे। रोनाल्डो के हैट्रिक बनाने के बाद भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने भी उनकी तारीफ में एक ट्विट किया।

फफ डु प्लेसिस खुश, बोले- मैक्सवेल ने दबाव बनाया, दिनेश ने फायदा उठाया

पुणे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली के खिलाफ जीत हासिल कर प्वाइंट टेबल में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। बेंगलुरु के दिए 190 रनों के लक्ष्य को दिल्ली हासिल नहीं कर पाई और 16 रन से मैच गंवा लिया। मैच खत्म होने के बाद बेंगलुरु के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने जीत का श्रेय कार्तिक और शाहबाज अहमद को दिया। फाफ ने कहा कि इन्होंने आखिर में 97 रन की अटूट साझेदारी की थी। जिससे टीम मजबूत स्थिति में पहुंची। शीर्ष क्रम के लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम रन बनाकर योगदान दें। हमारा शीर्ष क्रम नहीं चल पाया लेकिन अन्य बल्लेबाजों ने योगदान दिया है।

डुप्लेसी ने कहा कि शुरू में बल्लेबाजी करना मुश्किल था लेकिन मैक्सवेल ने जिस तरह से उन पर वापस दबाव बनाया वह महत्वपूर्ण था। लेकिन 190 रन तक पहुंचने के लिए विशेष पारी की आवश्यकता थी और श्रेय दो खिलाडियों शाहबाज और दिनेश कार्तिक को जाता है। दिल्ली कैपिटल्स डेविड वार्नर के 66 रन के बावजूद 190 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 7 विकेट पर 173 रन ही बना पाया। डुप्लेसी बोले- मैच से पहले मैं चाहता हूं कि लोग मुझे खेल से पहले बताएं कि ओस होगी या

नहीं। शायद थके हुए विकेटों पर हम पहले बल्लेबाजी करेंगे। एक समय में सिर्फ एक खेल। शांत और संयमित रहना महत्वपूर्ण है। आज हम इसमें कुछ सफल रहे हैं। उम्मीद है कि आगे भी सफलता हासिल करेंगे।

ऋषभ पंत ने बताया क्या रहा मैच का टर्निंग प्वाइंट

पुणे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम ने दिल्ली कैपिटल्स को 16 रन से हरा दिया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने आई बेंगलुरु की टीम ने 20 ओवरों में 189 रन बनाए। जवाब में आई दिल्ली की टीम 7 विकेट के नुकसान पर 173 रन ही बना पाई और मैच हार गई। मैच के बाद दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा कि हम इस मैच को जीत सकते थे।

मैच के बाद पंत ने कहा कि डेविड वार्नर ने बहुत ही अच्छी बल्लेबाजी और हमें मौका दिया कि हम मैच को सके। मिचेल मार्श की धीमी पारी पंत ने कहा कि हम उसे हार का जिम्मेवार नहीं मान सकते क्योंकि यह उसका पहला मैच। हम बीच के ओवर्स में अच्छी बल्लेबाजी कर सकते थे। पिच बल्लेबाजी के लिए लगातार अच्छी हो रही थी। मुस्ताफिजुर का वह ओवर जिसमें दिनेश कार्तिक

ने 28 रन बटोरे वह हमारे लिए मैच का टर्निंग प्वाइंट था।

पंत ने आगे कहा कि हम अपनी योजना के तहत गेंदबाजी कर सकते थे। पर दिनेश कार्तिक की बल्लेबाजी ने हमें दबाव में ला दिया। कार्तिक ने आखिरी के ओवर्स में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने मैच में एक टारगेट सेट कर लिया था जहां पर वह शॉट खेल रहे थे। तो इसलिए मैंने कुलदीप का छोर बदल दिया और उन्होंने अच्छी गेंदबाजी करके दिखाई। हम गलतियों से सीख रहें हैं।

हार के बाद दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच पोंटिंग ने कहा- सही टीम चुननी होगी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग के पांच मैचों में तीसरी हार झेलने के बाद दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग को लगता है कि उनकी टीम को खेल के विभागों में सुधार करने की जरूरत है। दिल्ली कैपिटल्स को शनिवार को यहां वानखेड़े स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से 16 रन से हार का सामना करना पड़ा जिससे टीम के महज चार अंक हैं और वह आईपीएल तालिका में निचले हाफ में है। पोंटिंग ने कहा कि अब समय आ गया है जब दिल्ली कैपिटल्स को खेल के सभी पहलुओं में एक इकाई के तौर पर प्रदर्शन करना होगा। पोंटिंग ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'हमने पूरी मजबूती के साथ बल्लेबाजी नहीं की है। मिशेल मार्श

पहले मैच में खेले और शायद वह उस लय में फिट नहीं बैठे जिसकी हमें जरूरत थी। रोवमैन पावेल अभी तक मध्यक्रम में अच्छा नहीं कर सके हैं। इसलिए हमें इन चीजों के साथ हम टूर्नामेंट में क्या करना चाहते हैं, उसे ठीक करने की जरूरत है। पोंटिंग ने कहा, 'बल्ले और गेंद से कुछ विभागों में निश्चित रूप से सुधार की जरूरत है। कुछ ओवरों में हमारे खिलाफ पार्क के चारों ओर काफी रन बने। हमें खेल के सभी पहलुओं में बेहतर होने की जरूरत है। उन्होंने साथ ही कहा कि आगामी मैचों में सही टीम संयोजन दिल्ली कैपिटल्स के लिये अहम होगा। कोच ने कहा, 'अगले दो मैच हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण हैं और हमें अपने खेल के सभी पहलुओं को देखना होगा और सही टीम चुननी होगी। हम जो 11 खिलाड़ी चुनेंगे, उन्हें अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

Ash Barty की रिटायरमैंट से ऑस्ट्रेलियाई टेनिस को लाखों डॉलर का घाटा

लंदन। ऐश बार्टी की अचानक रिटायरमैंट टेनिस ऑस्ट्रेलिया को भारी पड़ रही है। टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने चैनल 9 के साथ पांच सालों में 60 मिलियन का करार किया था जिसके अभी काफी समय बाकी है। बार्टी के दौरान 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन की रेटिंग अच्छी गई थी। लेकिन अब बार्टी के संन्यास के बाद टेनिस प्रबंधन नए प्रसारण सौदे पर बातचीत कर रहा है। आंकलन है कि प्रबंधन को इस कारण 100 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर गंवाने पड़े हैं। ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन इस साल टेनिस ऑस्ट्रेलिया के लिए बंपर सफलता लेकर आया था। इसमें

तत्कालीन विश्व नंबर 1 बार्टी जीती थी जोकि 1978 के बाद पहली ऑस्ट्रेलियाई महिला थीं। डेनियल कॉलिन्स के खिलाफ बार्टी की अंतिम जीत ने चैनल 9 के लिए शानदार रेटिंग हासिल की थी। यह मैच 1999 के बाद से सबसे अधिक देखा जाने वाला महिला फाइनल रहा। टूर्नामेंट के समापन के तुरंत बाद समाचार पत्र 'द ऑस्ट्रेलियन' ने बताया कि टीए उम्मीद कर रहा था कि उनका अगला सौदा पांच वर्षों में प्रति वर्ष 100 मिलियन डॉलर तक कमा सकता है। अब बार्टी की सेवानिवृत्ति ने टीए की सौदेबाजी की स्थिति को काफी कमजोर कर दिया है।

Ebanie Bridges का दुख- लोग मेरा टैलेंट नहीं सिर्फ कपड़े देख रहे

मुंबई। नए विश्व विजेता एबानी ब्रिजेस नफरत करने वाले अपने फैंस से परेशान हो चुकी है। उन्होंने कहा कि वह अच्छी दिखती है इस कारण लोग उनके मुक्केबाजी कौशल पर संदेह करने लगते हैं। 35 वर्षीय ब्लोंड बॉम्बर पिछले महीने लीड्स में मारिया रोमन को हराकर आईबीएफ बैंटमवेट विश्व चैंपियन बनी थीं। सोमवार को ब्रिजेस ने रिंग में रोमन पर उसे उतारने की एक ट्विटर क्लिप पोस्ट की, जिससे एक प्रशंसक ने खुलासा किया कि वह उसकी क्षमता के बारे में 'पूरी तरह से गलत' था।जवाब में ब्रिजेस ने ट्वीट किया कि लगता है कि आप मेरे शरीर से विचलित हो गए थे

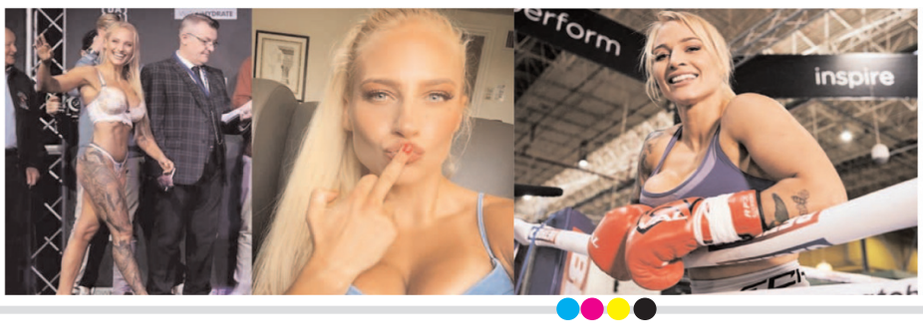

और कौशल नहीं देख रहे। चिंता मत करो तुम अकेले नहीं हो। बहुत से नफरत करने वाले लोग महिला के शरीर से आगे नहीं बढ़ पाते ... खुशी है कि आप देख सकते हैं कि आप गलत थे।ब्रिजेस महिलाओं की बॉक्सिंग में सबसे बड़ी शख्सियतों में से एक है। अक्सर फाइट से पहले वजन राऊंड के दौरान उनका अधोवस्त्र में आना चर्चा बटोर लेता है। वह अब 2017 का विश्व खिताब जीतने वाली रोमन को हरा चुकी है। लड़ाई के तुरंत बाद ब्रिजेस ने कहा कि क्या मैं लड़ाई लड़ सकता हूं या नहीं? आप लोग जो सोचते हैं कि मैं लड़ नहीं सकती। उनके लिए यह जवाब है। मैं बॉक्सिंग कर सकती हूं।

उम्मीद है- मैंने बहुत से संदेहियों को गलत साबित कर दिया है। मैं अपने आप पर गर्व महसूस कर रही हूं। मैं बेहद खुश हूं क्योंकि इसका मतलब यह है कि मैंने जो कुछ भी बलिदान किया है और जो भी काम मैंने किया है वह इसके लायक है।

बोरिस जॉनसन ने कहा- ब्रिटेन यूक्रेन को सैन्य सहायता जारी रखेगा

लंदन: ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की से कहा कि लंदन कीव को सैन्य सहायता उपलब्ध करना जारी रखेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने यहां जारी बयान में कहा, '' प्रधानमंत्री ने ब्रिटेन द्वारा पिछले सप्ताह लागू हुए नए प्रतिबंधों के बारे में राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की बताया। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन यूक्रेन को आगामी दिनों में बख्तरबंद वाहनों सहित रक्षा के लिए साधन उपलब्ध करना जारी रखेगा।' जॉनसन ने यह भी कहा कि वह यूक्रेन की आगमी सप्ताहों और महीनों में रक्षा सुनिश्चित करने के लिए सहयोगियों और भागीदारों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाना शांति की दिशा में अहम कदम होगा : जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस पर लगाए गए मौजूदा प्रतिबंध उसके लिए ''कष्टकारी'' हैं, लेकिन ये रूसी सेना को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। जेलेंस्की ने ''लोकतांत्रिक दुनिया'' से रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाने की अपील की। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने जहां इस तरह का प्रतिबंध लगाया है, वहीं यूरोप रूसी ऊर्जा आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर है, जबकि बाइडन प्रशासन भारत को रूसी ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ाने से रोकने का प्रयास कर रहा है। जेलेंस्की ने रात राष्ट्र के नाम जारी एक वीडियो संदेश में कहा, ''लोकतांत्रिक दुनिया को यह स्वीकार करना चाहिए कि ऊर्जा संसाधनों के लिए रूस को मिलने वाला धन वास्तव में लोकतंत्र के विनाश के लिए इस्तेमाल होने वाला धन है।'' उन्होंने कहा, ''लोकतांत्रिक दुनिया जितनी जल्दी यह समझ लेगी कि रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाना और उसके बैंकिंग क्षेत्र को पूरी तरह से अवरुद्ध करना शांति के लिए आवश्यक कदम है, युद्ध उतनी ही जल्दी समाप्त हो जाएगा।

इमरान खान ने अपने अभियान के लिये विदेश में रह रहे पाकिस्तानियों से चंदा मांगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान ने विदेश में रह रहे पाकिस्तानियों से देश की नयी सरकार के खिलाफ पार्टी द्वारा शुरू किए गए अभियान के लिए धन दान करने की अपील की है। खान न ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में कहा कि विदेशी साजिश के माध्यम से पाकिस्तानी लोगों पर एक भ्रष्ट सरकार थोपी गई है।खान (69) ने नेता प्रतिपक्ष व पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष शहबाज शरीफ के प्रधानमंत्री बनने के लगभग एक सप्ताह बाद कहा, यह 22 करोड़ पाकिस्तानी लोगों का अपमान है।

खान ने अपने अभियान को हकीकी आजादी (वास्तविक स्वतंत्रता) नाम देते हुए कहा कि उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने विदेशी पाकिस्तानियों से चंदा इकट्ठा करने के लिये नामंजूर डॉट कॉम नामक वेबसाइट बनाई है। उन्होंने कहा, आईये सरकार बदलने की इस विदेशी साजिश का पर्दाफाश करें और देश को चुनाव की ओर ले जाएं। पाकिस्तान की जनता को उसकी सरकार चुनने दें। खान को पिछले सप्ताह नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद प्रधानमंत्री के पद से हटा दिया गया था। वह 2018 में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने थे।

पाकिस्तान पंजाब विधानसभा में हंगामा, इमरान के पार्टी सदस्यों ने डिप्टी स्पीकर के बाल खींचे व थप्पड़-घूंसे मारे और घसीटा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की पंजाब विधानसभा में उस समय हंगामा हो गया जब सत्ताधारी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के विधायकों ने डिप्टी स्पीकर दोस्त मुहम्मद मजारी से हाथापाई की। मजारी प्रांत के नए मुख्यमंत्री के चुनाव के लिए बुलाए गए महत्वपूर्ण सत्र की अध्यक्षता करने पहुंचे थे। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के विधायकों ने मजारी पर हमला किया और वफादारी बदलने के लिए उनके बाल खींचे। टीवी फुटेज में दिखा है कि मजारी को सुरक्षा गार्ड द्वारा बचाने से पहले पीटीआई सदस्यों ने उन्हें थप्पड़, घूंसे मारे और घसीटा। मजारी ने संवाददाताओं से कहा, ''मुझपर हमला करने वाले पाकिस्तान में मार्शल कानून चाहते हैं, लेकिन वे सफल नहीं होंगे।' पंजाब विधानसभा के तीन सदस्यों की शनिवार को गिरफ्तारी के बाद सत्तारूढ़ दल ने सत्र का बहिष्कार किया। लंबे इंतजार और हंगामे के बाद मजारी के अपने आसन पर बैठने पर सदन की कार्यवाही शुरू हुई। पीटीआई के विधायक सदन में लोटा लेकर लाए और ''लोटा, लोटा'' (दल-बदलू) के नारे लगाने लगे। उन्होंने असंतुष्ट पीटीआई विधायकों पर निशाना साधा जिन्होंने पार्टी से नाता तोड़ लिया है और विपक्ष का समर्थन करने का फैसला किया। पीटीआई विधायकों ने कहा कि वे अपनी पार्टी के 24 असंतुष्ट सदस्यों को मुख्यमंत्री के चुनाव में वोट नहीं डालने देंगे। दो उम्मीदवारों- हमजा शाहबाज और परवेज इलाही के बीच कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बेटे हमजा पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और अन्य गठबंधन दलों के संयुक्त उम्मीदवार हैं, जबकि पीएमएल-क्यू के इलाही को पीटीआई का समर्थन प्राप्त है। अगर पीटीआई के बागी सदस्यों को वोट डालने दिया जाता है तो हमजा का मुख्यमंत्री बनना तय है। स्थिति बेकाबू होते ही विधानसभा के बाहर तैनात पुलिस सदन में दाखिल हो गई। इलाही और अन्य सदस्यों ने इसका विरोध किया और इसे सदन की पवित्रता का उल्लंघन करार दिया। उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान के इतिहास में पुलिस कभी भी पंजाब विधानसभा में नहीं घुसी। हम पंजाब के पुलिस महानिरीक्षक को तलब करेंगे और कानून के तहत उन्हें एक महीने की सजा देंगे।' झड़प में इलाही घायल हो गए हैं। इलाही ने कहा, ''मेरी अच्छाई के लिए मुझे पुरस्कार मिला है।' उन्होंने कहा कि ''मुझे खत्म' करने के लिए उन्होंने आज सारी हदें पार कर लीं और मेरे साथ मारपीट की। जिओ न्यूज के अनुसार, इलाही ने कहा, ''जब उनका परिवार निर्वासन में था तो मैंने उनका ख्याल रखा।'

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने चुनावी रैली में उठाया जलवायु परिवर्तन का मुद्दा

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मार्सिले में एक प्रमुख चुनावी रैली की, जिसमें उन्होंने पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी अपने शासनकाल की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया, ताकि युवा मतदाताओं को अपने पक्ष में मतदान के लिए आकर्षित किया जा सके। फ्रांसीसी शहर मार्सिले में नागरिकों ने विशेष तौर से 10 अप्रैल को हुए पहले दौर के मतदान में मैक्रों के प्रतिद्वंदी वाम विचारधारावाले राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जीन-ल्यूक मेलेनचॉन का समर्थन किया था।

मार्सिले शहर के युवा मतदाता, मुख्य रूप से पिछले रविवार तक वामपंथी और दक्षिणपंथी विचारधारा के मध्य में झूल रहे थे,वे विशेष रूप से जलवायु के मुद्दों से जुड़े हुए हैं। यह एक ऐसा विषय है जिससे मैक्रों ने अपने भाषण के जरिए लोगों को अपने पक्ष में लाने की कोशिश की।

उन्होंने कहा, ''मैं उस चिंता को सुनता हूं जो हमारे बहुत से युवा लोगों में मौजूद है। मैं युवाओं, किशोरों को देखता हूं, जो हमारे ग्रह के भविष्य को लेकर भयभीत हैं।' फ्रांस में 24 अप्रैल को दूसरे दौर का मतदान होना है जिसमें मैक्रों का मुकाबला दक्षिणपंथी प्रतिद्वंद्वी मरीन ले पेन से होने वाला है। जबकि मेलेनचॉन सहित 10 अन्य उम्मीवार पहले दौर के मतदान में बाहर हो गए थे।

पाकिस्तान में सिख व्यापारी ने बांटा 'रमजान फूड पैकेज', 3 मस्जिदों के लिए सीमेंट भी किया दान

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक स्थानीय सिख व्यापारी ने मुस्लिम बहुल देश में धार्मिक समरसता बढ़ाने के लिए स्थानीय निवासियों के बीच 'रमजान पैकेज' वितरत किया। मीडिया में आई एक खबर में यह बताया गया है।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के मुताबिक, अशांत प्रांत की तिराह घाटी के निवासी परलट सिंह ने शुक्रवार को 'रमजान पैकेज' के तहत 200 किलोग्राम खजूर और चीनी के सैकड़ों पैकेट बांटे।

स्थानीय बाशिंदों के मुताबिक सिंह ने तीन मस्जिदों के निर्माण के लिए 100 बोरी सीमेंट भी दान की। सिंह का शुक्रिया अदा करते हुए स्थानीय व्यापारी संघ के प्रमुख हाजी शेर मुहम्मद अफरीदी ने कहा, ''सिख समुदाय हमारे समाज का एक अभिन्न हिस्सा है।'

रूस ने कीव सहित पश्चिमी यूक्रेन पर हमला तेज किया

कीव। रूसी सेना ने कीव, पश्चिमी यूक्रेन और अन्य हिस्सों पर फिर से हमला तेज कर दिया है। यह यूक्रेन और उसका साथ देने वाले पश्चिमी देशों के लिए चेतावनी है कि पूर्वी यूक्रेन पर हमले की रूसी योजना के बावजूद पूरा देश अभी युद्ध के खतरे के साये में है। काला सागर में युद्धपोत क्षतिग्रस्त होने से हुए नुकसान और रूसी सीमा में यूक्रेन के कथित हमले से गुस्साए रूसी सैन्य कमान ने यूक्रेन की राजधानी पर हमले से एक दिन पहले चेतावनी जारी की और कहा कि वह सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहा है। '

एसोसिएटेड प्रेस' के संवाददाताओं ने इस सप्ताह पूर्वी यूक्रेन के शहर खारकीव पर हुए हमले में असैन्य नागरिकों के मारे जाने की पुष्टि की है और हर दिन और असैन्य नागरिकों के शव मिल रहे हैं जिसने यूरोपीय सुरक्षा के मिथक को तोड़ दिया है।

यूक्रेन के प्रशासन के अनुसार, अकेले कीव क्षेत्र में 900 से ज्यादा असैन्य नागरिकों के शव मिले हैं और इनमें से ज्यादातर की मौत गोली लगने से हुई है। ये सभी शव दो सप्ताह पहले क्षेत्र से रूसी सेना के हटने के बाद मिले हैं। सुबह पूर्वी कीव से धुआं उठता देखा गया। शहर के मेयर विटाली क्लिस्शको ने शहर के दारनिस्की जिले पर हमले की पुष्टि की है।

उन्होंने बताया कि पैरामेडिकल और राहत कर्मी मौके पर मौजूद हैं और मृतकों की संभावित संख्या के बारे में बाद में बताया जाएगा। मेयर ने युद्ध के कारण पहले ही शहर छोड़ चुके लोगों से तत्काल घर नहीं लौटने की अपील की। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि हमले में किसको निशाना बनाया गया है।

नेशनल असेंबली के उपाध्यक्ष कासिम खान सूरी ने अपने खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले ही दिया इस्तीफा

रियाद। पाकिस्तानी संसद के निचले सदन (नेशनल असेंबली) के उपाध्यक्ष कासिम खान सूरी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने यह कदम पूर्ववर्ती इमरान सरकार का समर्थन करने की वजह से उनके खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान होने से महज एक घंटे पहले उठाया। सूरी, पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पीटीआई के सदस्य हैं और नेशनल असेंबली अध्यक्ष असद कैसर के इस्तीफे के बाद सदन के कार्यवाहक अध्यक्ष की भूमिका निभा रहे थे। कैसर ने नौ अप्रैल को यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया था कि वह इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान नहीं करा सकते।

सूरी ने अपने इस्तीफे को पार्टी और लोकतंत्र के के विचार के अनुरूप बताया। उन्होंने ट्वीट किया, 'हम पाकिस्तान की संप्रभुता और अखंडता से कभी समझौता नहीं करेंगे। हम देश हित और स्वतंत्रता के लिए लड़ेंगे। हम पाकिस्तान को बचाने के लिए किसी हद तक जाएंगे।'

पूर्व पीएम राजा परवेज अशरफ बने संसद के नए अध्यक्ष

पूर्व पीएम राजा परवेज अशरफ को नेशनल असेंबली का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता अशरफ (71) को निर्विरोध सदन का अध्यक्ष चुना गया था क्योंकि दोपहर 12 बजे की समयसीमा खत्म होने तक किसी भी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया था। अशरफ ने पद की शपथ भी ली। यह पद तीन अप्रैल को असद कैसर के इस्तीफे के बाद से खाली था। इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अमल करने में नाकाम रहने के बाद असद कैसर ने संसद के निचले सदन नेशनल असेंबली के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

श्रीलंका की सेना का सरकार-विरोधी प्रदर्शनों में हस्तक्षेप से इंकार, संविधान की रक्षा का संकल्प जताया

कोलंबो। एक असामान्य कदम के तहत श्रीलंका की सेना ने संविधान की रक्षा का संकल्प दोहराते हुए शनिवार को कहा कि वह देश में आर्थिक संकट के बीच जारी सरकार-विरोधी शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में हस्तक्षेप नहीं करेगी।

श्रीलंका में अभूतपूर्व आर्थिक संकटों के कारण खाद्यान्न का गंभीर संकट पैदा हो गया है, कीमतें आसमान छूने लगी हैं और बिजली में कटौती की जा रही है। राष्ट्रपति सचिवालय के पास सप्ताह भर से जारी विरोध-प्रदर्शन को दबाने के लिए राष्ट्रपति हस्तक्षेप करेगी, जब पुलिस 'सहायता के लिए' हमें बुलाएगी।' बयान में कहा गया, 'पिछले कुछ दिन इस बात के गवाह रहे हैं कि सैनिकों ने न तो शांतिपूर्ण भी 'पूर्ण रूप से फर्जी, मनगढंत और निराधार' करार देते हुए खारिज कर दिया कि उसे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसक कार्रवाई करने और उनसे निपटने सतर्क नागरिक और समान मानसिकता वाले नागरिकों से सैनिकों पर पूरा विश्वास बनाये रखने का आग्रह करती है, जैसा उन्होंने पहले भी बनाये रखा है, क्योंकि वर्तमान सेवारत सैनिक अधिक प्रशिक्षित, पेशेवर तरीके से योग्य और किसी भी सुरक्षा चुनौती का सामना करने लिए उपयुक्त हैं।

इस परिदृश्य में, हम तभी हस्तक्षेप करेंगे, जब पुलिस हमें अपनी सहायता के लिए बुलाती है।' श्रीलंका 1948 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से अब तक के सबसे बड़े आर्थिक संकट का सामना कर रहा है, जिसके विरोध में लोग सरकार के सड़कों पर उतरे हैं। सेना का यह असामान्य बयान पूर्व सैन्य कमांडर सरत फोंसेका की उस टिप्पणी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि सैनिकों को प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई के गैर-कानूनी आदेश का पालन नहीं करना चाहिए।

प्रदर्शनकारियों या संगठनों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन में हस्तक्षेप किया है, न ही उस संगठन के अनुशासित सदस्यों के रूप में सरकार के हितों के खिलाफ काम किया है, जिसने अमूल्य बलिदान देकर इस देश में शांति स्थापित की है।' सेना ने उन अटकलों को के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बयान में कहा गया है, ''सेना दृढ़ता और स्पष्ट रूप से उन खतरनाक चालों का खंडन करती है और उन प्रयासों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करती है, जो इस संगठन को बदनाम करने के लिए हो रहे हैं। साथ ही सेना देश के

अफगानिस्तान के दो प्रांतों में पाकिस्तानी विमानों की बमबारी, पांच बच्चों सहित 40 की मौत

कुनार। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खोस्त और कुनार प्रांतों में एयरस्ट्राइक कर दी। लोकल पुलिस के मुताबिक, पेसा मिला और मीर सफर में हुई बमबारी में 5 बच्चों और 1 महिला की मौत हुई। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि हमला खोस्त के स्पेरा जिले में हुआ था, जिसमें 40 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। एयरस्ट्राइक के बाद अफगानिस्तान के लोगों ने सड़क पर उतरकर पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किया। हमले को लेकर पाकिस्तान सरकार की तरफ से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। हालांकि, वहां के मीडिया का कहना है कि एयरस्ट्राइक के जरिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान पर हमला किया गया था।

एयरस्ट्राइक के बाद पाक राजदूत तलब

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने हमले की कड़ी निंदा की है। एयरस्ट्राइक के बाद तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के राजदूत मनसूर अहमद खान को तलब किया। इस दौरान अफगानिस्तान के फॉरेन मिनिस्टर आमिर खान मुत्ताकी और डिप्टी डिफेंस मिनिस्टर अल्हाज मुल्ला शिरीन अखुंड मौजूद रहे।

अफगानिस्तान के सब्र का न लें इम्तेहान

वहीं तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने ट्वीट कर पाक सरकार को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा- अफगानिस्तान की हुकूमत पाकिस्तान से मांग करती है कि वो ऐसे मामलों में अफगानिस्तान के सब्र का इम्तेहान न ले। ऐसी गलती दोबारा हुई तो इसके बुरे परिणाम होंगे। दोनों देशों के बीच समस्याओं को राजनीतिक तरीकों से हल किया जाना चाहिए।

एयरस्ट्राइक के जरिए TTP को बनाया निशाना

पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, एयरस्ट्राइक के जरिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और पश्तून इस्लामिक ग्रुप को निशाना बनाया गया था। इससे पहले भी अफगानिस्तान के गोर्बज जिले में पाकिस्तानी और अफगानिस्तानी सैनिकों में झड़प हुई थी।

भारतवंशियों पर जहर उगलने वाली टिप्पणी पर कानून प्रोफेसर एमी वैक्स की निंदा, सांसद कृष्णमूर्ति ने कहा- बेहद अपमानजनक

कुनार। भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति समेत भारतीय मूल के प्रमुखों ने एशियाई-अमेरिकी समुदाय को लेकर अपमानजनक टिप्पणी करने वाली पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय की कानून प्रोफेसर एमी वैक्स की निंदा की है। प्रोफेसर ने एशियाई-अमेरिकी समुदाय के लिए भारतवंशियों के संदर्भ में जहर बुझी भाषा का इस्तेमाल किया था। दिए एक साक्षात्कार में प्रोफेसर एमी वैक्स ने आरोप लगाया कि पश्चिमी देशों के लोगों की शानदार उपलब्धियों और योगदान को लेकर अश्वेतों व गैर-पश्चिमी समूहों में जबरदस्त आक्रोश और शर्मिंदगी का भाव है। वैक्स ने कहा, उन्हें सिखाया जाता है कि वे बेहतर हैं क्योंकि वे ब्राह्मण कुल से आते हैं। उन्होंने अभद्र शब्दों के साथ कहा, लेकिन किसी स्तर पर उनका देश निचले स्तर का ही है। वैक्स ने भारतवंशी डॉक्टर समुदाय को भी निशाना बनाया। इस टिप्पणी की पूरे अमेरिका में भारतवंशियों ने निंदा की है। कृष्णमूर्ति ने कहा, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पद छोड़ने के बाद मुझे लगा कि दूसरों के नीचा दिखाने वाले शब्द कहने के दिन खत्म हो गए, लेकिन एक प्रोफेसर के ऐसे शब्द बेहद अपमानजनक हैं।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

211019 से प्रकाशित स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा प्रयागराज से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

Title UPHIN 29506